www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
28 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 64 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर किया हमला

● ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा। ईरान का यह बड़ा आरोप है।

होर्मुज में जहाज पर हमला

ओमान के तट के पास होर्मुज स्ट्रैट में एक मालवाहक जहाज पर अज्ञात हथियार से हमला हुआ। जहाज के ब्रिज को नुकसान पहुंचा, हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र ने 11 हजार नाविकों को निकालने का अभियान फिलहाल रोक दिया। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के अल-मंसूरी इलाके में लोगों को घर खाली करने की चेतावनी दी। वहीं, हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने कहा कि इजराइल को लेबनान की पूरी जमीन से बिना शर्त हटना होगा और संगठन किसी भी हाल में इजराइल से रिश्ते सामान्य नहीं करेगा।

देश में एक और पेपर लीक

● अब महाराष्ट्र में एग्जाम से एक दिन पहले टीईटी पेपर लीक, रद्द हुई परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 28 जून, 2026 को विभिन्न एग्जाम सेंटर में टीईटी की परीक्षा आयोजित कराई जानी थी। लेकिन अब खबर सामने आ रही है कि परीक्षा से एक दिन पहले ही महाराष्ट्र में टीईटी का पेपर लीक हो गया है। तमाम मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो परीक्षा से महज 24 घंटे पहले ही पेपर ठाणे से लीक हो गया है। पेपर लीक मामले के बाद शिक्षा विभाग ने शिक्षक पात्रता परीक्षा को अब रद्द कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक की जानकारी पुलिस को मिली थी। जिसके बाद ठाणे में चलाए गए एक अभियान के बाद पुलिस ने पेपर बरामद किया। साथ ही इस मामले में कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है।

शिक्षा विभाग ने रद्द की परीक्षा

महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा रद्द होने के बाद शित्रा विभाग ने परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शिक्षा विभाग जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा। साथ ही विभाग की ओर से संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी भी जल्द ही दी जाएगी।

पुलिस को मिली थी गोपनीय सूचना

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद की ओर से आज विभिन्न एग्जाम सेंटर में टीईटी की परीक्षा आयोजित कराई जानी थी। लेकिन परीक्षा से एक दिन पहले ही अब पेपर लीक हो गया है। परिषद के अनुसार पेपर लीक होने की गोपनीय सूचना के आधार पर 27 जून की सुबह पुलिस ने छापेमारी की। जांच के दौरान महाराष्ट्र पुलिस ने टीईटी के आधिकारियों को भी मौके पर बुलाया। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा लीक होने के बाद अब पुलिस द्वारा जांच करते हुआ यह पता लगाया जा रहा है कि प्रश्न-पत्र लीक कैसे हुआ। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस रैकेट में और भी लोग शामिल थे। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा से संबंधित शिक्षा विभाग की ओर से जल्द ही विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

बिहार में मुद्दों पर भारी जातीय गोलबंदी!

● पीएमसीएच विवाद से लेकर एनकाउंटर तक खेला ● बिहार में हर घटना पर चढ़ने लगा सियासत का रंग

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति इन दिनों जातीय संकीर्णता की भेंट चढ़ते दिख रही है। प्रतिकितिवादी तत्व जातीय आवरण में हर मामलों को उलझा कर लोकतंत्र के असल मकसद को दूर दूर तक नहीं समझ पा रहे हैं। स्थिति यह है कि घटना कुछ भी हो जातीय आवरण में विरोध को महज विरोध का औजार बनाते जा रहे हैं। जातीय राजनीति में कैसे उलझ रहा है बिहार, समझते हैं। बिहार के पटना मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रभारी प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को हटाए जाने के मामले पर भी जातीय रंग चढ़ाया जाना शुरू हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की ओर से की गई प्रशासनिक कार्रवाई को एक तरफ डॉ. सिंह तानाशाही और साजिश करार देते हुए अपने जले हुए पेट दिखा रहे हैं। वे मंत्री बौर सचिव पर फोन नहीं उठाने की बात भी कह रहे हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर कांड से तनाव

भोजपुर में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर भी जातीय तनाव पैदा करने की कोशिश हो रही है। इसको लेकर राजनीति और समाज में गहरी जातीय गोलबंदी देखने को मिल रही है। इस मुद्दे को लेकर राज्य में सवर्ण बनाम दलित-पिछड़ा की पारंपरिक राजनीति के रूप में उभार कर गलत दिशा देने की कोशिश हो रही है। यह तब हो रहा है जब बिलौटी गांव में पिछडी जाति और दलित जाति के युवक भरत तिवारी का गुणगान करते थक नहीं रहे हैं।

● 6,785 करोड़ का होगा निवेश, बोले-जंगलराज अब मंगलराज बना

सीएम योगी ने जेवर में रखी इलेक्ट्रॉनिक्स हब की नींव

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर कहा कि जेवर क्षेत्र अब उत्तर भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर हब बनने जा रहा है। एक समय जंगलराज के लिए कुख्यात जेवर आज मंगलराज के रूप में उभर रहा है। सेक्टर 10 में अंबर इंटरप्राइजेज और एस्केंट सर्किट की इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

कोरिया के साथ उत्तर प्रदेश का पुराना संबंध- उन्होंने कहा, आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत सेमीकंडक्टर का केंद्र बिंदु जेवर क्षेत्र बन रहा है। यहां इलेक्ट्रॉनिक हब स्थापित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, कभी जंगलराज के नाम से जाना जाने वाला जेवर आज मंगलराज के रूप में पहचाना जा रहा है। यहां 6,785 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। कोरिया के साथ जॉइंट वेंचर हो रहा है। कोरिया के साथ उत्तर प्रदेश का पुराना संबंध है। कोरिया की रानी अयोध्या की राजकुमारी रत्ना थीं।

गौतमबुद्ध नगर देश का मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब हम वो चीजें खुद बनाएंगे जो पहले दुनिया से आयात करते थे और उन्हें निर्यात भी करेंगे। उत्तर प्रदेश में 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक उपलब्ध है। सरकार निवेशकों को इंसेंटिव और सिंगल विंडो सिस्टम की सुविधा दे रही है। गौतमबुद्ध नगर देश का मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब बन चुका है, जहां देश में बने कुल मोबाइल फोन का 55 प्रतिशत उत्पादन होता है। केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों को पीसीबी (प्रिंटेड सर्किट बोर्ड) के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने 14 लेयर और 55 लेयर वाले पीसीबी सर्किट दिखाकर बताया कि जेवर में यही बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत पहले 40 हजार करोड़ रुपये का पीसीबी आयात करता था, अब इसे जेवर में ही बनाया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में स्वीकृत बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली से लखनऊ, वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी तक बुलेट ट्रेन चलेगी। जेवर से लखनऊ का सफर मात्र एक घंटे 40 मिनट में पूरा हो जाएगा।

घास लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया निवाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नैनीडांडा के पट्टी बिजलौट के ग्राम सत्खोलू के तोक बणासी तल्ली में शनिवार को एक दर्दनाक घटना हुई, जिसमें घास लेने खेत गई एक महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया और उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, गांव की सुशीला देवी और शांति देवी रोज की तरह खेतों में घास लेने गई थीं। तभी झाड़ियों में छिपे गुलदार ने अचानक सुशीला देवी पर हमला कर उन्हें पकड़ लिया और पास के खेतों की ओर खींचते हुए ले गया। शांति देवी ने यह दृश्य देखा तो वह घबराकर गांव पहुंचीं और ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने पर महिला का अधखाया शव झाड़ियों के पास मिला। घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और लोगों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र में गुलदार की दहशत बनी हुई थी, जिसकी शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने गुलदार को मारने (शूट करने) की मांग की और शव को उठाने से भी इनकार कर दिया। बाद में वन विभाग और पुलिस ने लोगों को समझाकर कार्रवाई शुरू की और आगे की प्रक्रिया पूरी की

महिला के शव के समीप एकत्रित हुए लोग

● रामदास बाल योगी बोले-चढ़ावा चोरी का असर पूरी अयोध्या पर

साधु-संत सजा भुगत रहे, कोई दान नहीं दे रहा

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी की घटना से यहां के साधु-संत नाराज हैं। उनका कहना है कि इस घटना से उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। अयोध्या के संत रामदास बाल योगी महाराज ने कहा है कि चढ़ावे की चोरी का असर पूरी अयोध्या पर है। राम मंदिर ही नहीं, अयोध्या के बाकी के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है और दान में भी कमी आई है। अयोध्या के रामदास बाल योगी महाराज ने कहा कि, श्रद्धालु नाराज हैं, श्रद्धालुओं में कमी आई है, चढ़ोत्तरी में भी कमी आई है और पूरे क्षेत्र में इसका असर है। राम मंदिर में कोई आता था तो हम लोगों के मंदिर में भी आता था। हम तो मां सरयू के तट पर हैं, तो तमाम श्रद्धालु शाम को आरती में आते हैं। अब लेकिन कमी आई है। जब चोरी करेंगे तो कैसे आपको दान मिलेगा। पूरी अयोध्या सजा भुगत रही है। और देखिएगा, भगवान राम इन चोरों को कभी माफ नहीं करेंगे। जिन्होंने चोरी की है उनको सजा प्रशासन से जो मिलनी होगी मिलेगी। या हो सकता है उन्हें बचाया जाए, लेकिन भगवान राम इनको नहीं बचाएंगे।

चंपत राय ने चोरी की बात स्वीकार नहीं की थी

रामदास बाल योगी महाराज ने राम मंदिर में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा कि, अखिलेश यादव ने जब इस मामले को सोशल मीडिया पर उजागर किया तो सबको इसकी जानकारी मिली। उसके तत्काल बाद चंपत राय जी ने कहा कि गिनती सही है, यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, भ्रम फैलाया जा रहा है। वे इसको स्वीकार करने से इनकार रहे थे। उन्होंने कहा कि, राम मंदिर जब बन रहा था तो चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव और सभी पदाधिकारियों ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं और आरएसएस के लोगों के साथ मिलकर सोशल मीडिया पर प्रचार किया। मंदिर बना और उसका श्रेय भी उन्होंने लिया। प्रतिष्ठा मोदी जी, योगी जी ने कराई। तो आज चोरी की जिम्मेदारी कोई और लेगा। चोरी वेतनभोगी कर्मचारियों ने की है, इनकी इतनी हैसियत है।

ड्रोन के जरिए ड्रग्स सप्लाई में 100 गुना तक उछाल

● पंजाब में सबसे ज्यादा मामले एनसीबी की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ड्रग तस्करी के खिलाफ जंग अब आसमान तक पहुंच गया है। पिछले 5 सालों में ड्रोन से तस्करी की घटनाओं में 100 गुना बढ़ोतरी हुई है। सुरक्षा एजेंसियों के सामने यह एक बेहद आधुनिक और तकनीकी रूप से मजबूत चुनौती बनकर उभरा है। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जारी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के 2025 के सालाना आंकड़ों के मुताबिक, ड्रोन से जुड़े रिकॉर्ड 305 मामले सामने आए, जिनमें 468 किलोग्राम नशीले पदार्थ बरामद किए गए। ड्रग तस्करी के 305 घटनाओं में से 298 अकेले पंजाब में हुई यानी देश में ड्रोन से ड्रग तस्करी का सबसे बड़ा केंद्र पंजाब बन गया है, यहां भारत-पाकिस्तान सीमा के रास्ते बड़े पैमाने पर हाई-प्यूरिटी हेरोइन और मेथमफेटामाइन (मेथ) जैसी खतरनाक ड्रग्स भारत भेजी जा रही हैं। मामले में 100 गुना बढ़ोत्तरी हुई है।

कूरियर और डाक से भी हो रही तस्करी

हवाई रास्तों पर निगरानी तो बढ़ा दी गई है, लेकिन कूरियर और डाक से होने वाली तस्करी अब भी बड़ी समस्या है। मामलों की संख्या 174 पर स्थिर होने के बावजूद, पोस्टल चैनलों के जरिए जब्त किए गए नशीले पदार्थों की मात्रा 972 किलोग्राम थी। एनसीबी की रिपोर्ट में गुप्त सिंथेटिक ड्रग प्रयोगशालाओं के बढ़ने का भी जिक्र है। जांच एजेंसी ने पिछले तीन वर्षों के आकड़ों से भी अधिक 30 गुप्त निर्माण प्रयोगशालाओं को नष्ट किया और 102 लोगों को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भारी मात्रा में मेफेड्रोन मिला है।

पुणे मर्डर में दावा-केतन का सिर कुचला हुआ था

● तलाश में जुटी रेस्क्यू टीम का सदस्य बोला-लोग रो रहे थे ● टीम के सामने सिया शांत रही, माता-पिता से पूछताछ जारी

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया दावा सामने आया है। केतन का शव रेस्क्यू करने वाले सुनील गायकवाड़ ने बताया है कि केतन के सिर पर गंभीर चोटें थीं, खोपड़ी कुचली हुई थी और हाथ-पैरों पर भी कई जगह चोट थीं। अन्य लोग रो रहे थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी। सुनील ने कहा- शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। पुलिस को 18 जून की सुबह करीब 10.30 बजे घटना की सूचना मिली थी। बचाव अभियान दोपहर 12.30 बजे तक चला और करीब 1.30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था। इधर, पुणे पुलिस ने शुक्रवार को 10 घंटे तक सिया के भाई साहिल गोयल से करीब 10 घंटे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, साहिल चेतन चौधरी को जानता है। उसने बताया कि चेतन और सिया की दोस्ती क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी। वहीं, आज सिया के माता-पिता को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

केतन के पिता बोले-

घटना वाले दिन ही सिया पर शक हुआ- केतन के पिता विशाल अग्रवाल के मुताबिक, घटना वाले दिन ही परिवार को सिया गोयल पर शक हो गया था। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मी ने जब कहा कि केतन अभी जिंदा है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए, तब सिया के हावभाव बदल गए थे। इसके बाद सिया ने परिवार के सवालों का भी जवाब नहीं दिया। चेतन के पिता ने बताया कि 18 जून को सिया की मां का फोन आया था कि केतन लोहगढ़ किले से गिर गया है। परिवार मौके पर पहुंचा तो केतन को खाई से निकाला जा चुका था। उन्होंने देखा कि केतन का मुंह बंधा हुआ था। चेहरा खुलवाकर उसकी पहचान की गई। दरअसल, सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हुई थी। सिया पर बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मंगेतर की हत्या का आरोप है। दोनों पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है।

बुआ सिया को ले गई, तभी परिवार का शक गहराया

केतन की बहन ने सिया से पूछा कि वह कहां बैठी थी, केतन कैसे गिरा और वह किले के उस किनारे तक कैसे पहुंचा। सिया ने किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। उसका रोना भी परिवार को बनावटी लगा। अगले दिन जब वह उनके घर आई, तब भी परिवार ने पूछा कि केतन का कौन सा पैर फिसला था, लेकिन वह चुप रही। सवाल-जवाब के दौरान शादी तय कराने वाली सिया की बुआ उसे तू चल-चल कहकर वहां से ले गई। इसके बाद परिवार का शक और गहरा हो गया। विशाल अग्रवाल ने बताया कि उसी शाम परिवार ने बैठकर पूरी घटना पर चर्चा की। उनकी बेटी ने कहा कि कुछ ठीक नहीं लग रहा। परिवार ने पूरी घटना को जोड़कर देखा और सोसायटी के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में दिखा कि लौटते समय सिया रो भी नहीं रही थी। शक बढ़ने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। विशाल अग्रवाल ने कहा कि केतन को सिया के अफेयर की जानकारी नहीं थी। हालांकि, उसे कई बार सिया का फोन लगातार बिजी मिलने पर शक हुआ था। उसने परिवार से पूछा भी था कि क्या सिया के बारे में पूरी जानकारी ली गई है परिवार ने उसे भरोसा दिलाया कि रिश्तेदारों ने पूरी पड़ताल की है। इसके बाद उसने दोबारा इस बारे में बात नहीं की।

एक नजर

रामनगर निवासी कैप्टन पंत को भारतीय उच्चायोग से मिलेगा पूरा सहयोगः भट्ट

हल्द्वानी। सांसद अजय भट्ट का कहना है कि यूनाइडेट किंगडम की विनचेस्टर जेल में न्यायिक हिरासत में रखे गए रामनगर निवासी कैप्टन अजय पंत को भारतीय उच्चायोग लंदन की ओर से लगातार काउंसलर सहायता प्रदान की जा रही है। उच्चायोग ने इस संबंध में सांसद भट्ट को पत्र भेजा है। सांसद भट्ट ने बताया कि लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने कैप्टन पंत से संपर्क किया है। बता दें कि दो दिन पहले कैप्टन पंत की पत्नी ने सांसद भट्ट से भेंट कर पति की मदद करने की गुहार लगाई थी। सांसद ने बताया कि उच्चायोग ने कैप्टन पंत की पत्नी, नियोक्ता, कानूनी प्रतिनिधियों तथा ब्रिटिश अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाया हुआ है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय से उनके अधिकारों और सुरक्षा को सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया गया है। सांसद ने बताया कि कैप्टन पंत मामले में अगली सुनवाई 16 जुलाई को होनी है। उन्होंने बताया कि भारतीय उच्चायोग ने आश्वासन दिया है कि मामले में कैप्टन पंत और उनके परिवार को हर संभव सहायता की जाएगी।

गोलीकांड के घायल को देखने आए युवक की अस्पताल में पिटाई

हल्द्वानी। गोलीकांड के घायल को देखने सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचे किच्छा लालपुर के युवक को कुछ लोगों ने पीट दिया। पीड़ित शुक्रवार को कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। किच्छा के लालपुर में बृहस्पतिवार को रुद्रपुर निवासी विक्रांत को सरेआम गोली मार दी गई थी। घटना के बाद आशुतोष सिंह भंडारी निवासी महराया रोड लालपुर घटनास्थल पर पहुंचा और मामले की सूचना पुलिस को 112 पर दी। आशुतोष ने पुलिस को सौंपी तहरीर में आरोप लगाया है कि बीती रात विक्रांत को रेफर करने की जानकारी मिलने के बाद वह अपने साथी के साथ उसे देखने आया था। तभी रुद्रपुर निवासी युवकों ने उस पर हमला कर दिया। उसने जैसे-तैसे वहां से भागकर जान बचाई। पुलिस के मुताबिक विक्रांत की तीमारदारी को पहुंचे युवकों ने आशुतोष को विरोधी पक्ष का मानकर उसके साथ मारपीट कर दी। आशुतोष ने बताया कि मारपीट करने वाले युवक उससे रंजिश रखते हैं। सीओ सिटी अमित कुमार सैनी ने बताया कि तहरीर मिली है मामले की जांच की जा रही है।

वीकेंड पर सैलानियों से गुलजार हुआ चकराता

चकराता (देहरादून)। लंबे वीकेंड के चलते पर्यटन नगरी चकराता एक बार फिर सैलानियों से पूरी तरह गुलजार दिखी। शुक्रवार को मोहर्रम का सार्वजनिक अवकाश और उसके बाद शनिवार व रविवार की छुट्टियों के चलते बड़ी संख्या में पर्यटकों ने पहाड़ों का रूख किया।

पर्यटकों की अत्यधिक संख्या के कारण टाइगर फाल मोटर मार्ग पर कई घंटों तक लंबा जाम लगा रहा। वाहनों की लंबी कतारें सड़क पर दूर-दूर तक दिखाई दीं।

स्थानीय लोगों ने पर्यटन सीजन में यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता बताई। सुहावने मौसम, ठंडी हवा, हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर चकराता ने पर्यटकों का दिल जीत लिया। दिनभर विभिन्न पर्यटन स्थलों पर परिवारों, युवाओं और प्रकृति प्रेमियों की भारी भीड़ देखने को मिली। पर्यटक टाइगर फाल, बोनाल फाल आदि झरनों के बीच स्नान करते, पहाड़ियों पर घूमते, प्राकृतिक नजारों का आनंद लेते और यादगार तस्वीरें खिंचवाते नजर आए। प्रमुख पर्यटन स्थल टाइगर फाल, देववन, लोखंडी, मोइला टाप, चुरानी, चिलमिरी टाप, रामताल गार्डन सहित अन्य दर्शनीय स्थलों पर दिनभर पर्यटकों का तांता लगा रहा। उधर, लंबे वीकेंड का सबसे अधिक लाभ स्थानीय पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को मिला। क्षेत्र के लगभग 95 प्रतिशत होटल, होमस्टे, रिजार्ट और गेस्ट हाउस पूरी तरह भर चुके हैं। यदि मौसम इसी तरह सुहावना बना रहा तो पूरे सप्ताहांत चकराता में पर्यटकों की संख्या और बढ़ सकती है।

बंदरों की लड़ाई ने गुल की हरिपुरकलां की बत्ती

यवाला (देहरादून)। हरिपुरकलां में बंदरों की लड़ाई ऊर्जा निगम के साथ ही स्थानीय लोगों पर भारी पड़ गई।

सुबह करीब नौ बजे वीआइपी कालोनी हरिपुरकलां के पास एक बड़े पेड़ पर बैठे बंदर उछल-कूद कर रहे थे। तभी उनके बीच आपस में लड़ाई हो गई। बंदर पेड़ की एक डाल से दूसरी पर कूदने लगे। इस बीच पेड़ की एक बड़ी डाल टूटकर बिजली की लाइन पर गिर गई। वहीं, पास में डबल पोल पर ट्रांसफार्मर भी लगा हुआ था।

बिजली की तारों पर वजन पड़ने से पोल का आधा हिस्सा टूटकर गिर गया। जिसके साथ ट्रांसफार्मर भी जमीन पर आ गिरा। इसके बाद पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। अवर अभियंता राजेश सिंह कृषाली ने बताया कि पेड़ की टहनी गिरने से लाइन क्षतिग्रस्त हुई थी, लाइन को दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

सनातन परंपरा में समाहित है त्याग, सेवा और परमार्थ की भावना : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार में दधीचि अंगदान संकल्प अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा की उपस्थिति में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर देशभर से आए विशेषज्ञों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं साधकों ने अंगदान के महत्व पर विचार रखे। इस दौरान शांतिकुंज के आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रतिभागियों को अंगदान का संकल्प दिलाया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य है, जिसके माध्यम से गंभीर रूप से जरूरतमंद लोगों को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अंगदान को वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टियों से समझने की आवश्यकता है। भारत सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं। अंगदान एवं प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत ढांचे को विकसित किया गया है और राज्यों में भी अंगदान से जुड़े संगठनों को सक्रिय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ने से देश में अंगदान की संख्या में वृद्धि हुई है और जनभागीदारी से इसे एक व्यापक जनआंदोलन बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति त्याग, समर्पण, सेवा और परमार्थ की महान परंपरा पर आधारित रही है। महर्षि दधीचि के त्याग का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपनी अस्थियों तक का दान कर दिया था। इसी प्रकार राजा शिवि द्वारा एक पक्षी की रक्षा के लिए अपने शरीर का अंश अर्पित करने की कथा भारतीय संस्कृति में करुणा और परोपकार की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद भी यदि शरीर का कोई अंग किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है, तो इससे बड़ा मानव कल्याण का कार्य कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राज्य में अंगदान और प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए सरकारी एवं निजी अस्पतालों, प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग तथा संबंधित संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। दून मेडिकल कॉलेज में राज्य के प्रथम सरकारी ऊतक प्रत्यारोपण केंद्र के निर्माण सहित अंग प्रत्यारोपण केंद्रों, अंग बैंक और जिला स्तरीय अंगदान केंद्रों के नेटवर्क को विकसित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंदों को समय पर अंग उपलब्ध हो सकें। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन मंत्री मदन कौशिक, रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी दयामूर्त्यानंद जी, डॉ. अनिल कुमार, पद्मश्री नीलेश मांडलेवाला, डॉ. विजय धस्माना सहित अनेक विशेषज्ञों ने अंगदान के वैज्ञानिक, सामाजिक एवं कानूनी पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राज्य मंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि, प्रो. मीनू सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक आदि मौजूद थे।

प्रदेश की चार अभेद्य सीटों पर भाजपा ने उतारे कोर कमेटी के सदस्य

देहरादून। राज्य के 26 साल के इतिहास में कांग्रेस के 10 साल छोड़ दें तो 16 साल भाजपा ने राज किया। फिलहाल लगातार दूसरी बार सत्तानशीं भाजपा के लिए राज्य की चार ऐसी सीटें हैं, जिन्हें पार्टी की रीति, नीति कभी जीत में नहीं बदल पाई। इस बार पहले से ही यहां भाजपा ने जाल बिछा दिया है। चारों सीटों पर प्रदेश कोर कमेटी के वरिष्ठ सदस्यों को भेज दिया गया है। माइक्रो मैनेजमेंट (सूक्ष्म प्रबंधन) तेज कर दिया है। चकराता, पिरान कलियर, मंगलौर, धारचूला में जीत के लिए इस बार संगठन खास तवज्जो दे रहा है। एक ओर जहां सांगठनिक गतिविधियां तेज कर दी गई हैं तो दूसरी ओर जिताऊ उम्मीदवारों को लेकर भी अंदरूनी सर्वे और सभी समीकरणों को देखा जा रहा है। प्रदेश में लगातार तीसरी जीत की खुशी को संगठन इन चार सीटों पर जीत के साथ दोगुना करना चाहता है। इसके अलावा तीन ऐसी भी सीटें हैं, जहां भाजपा जीत को तरस रही है।

ये शुरू हुई कसरत

-सभी ऐसी सीटों पर प्रदेश कोर कमेटी के एक-एक सदस्य को भेज दिया गया है। चुनाव तक पूरा प्रबंधन वही देखेंगे।

-माइक्रो मैनेजमेंट के तहत बूथ, मंडल, मन की बात के समन्वयक, प्रकोष्ठ, मोर्चा के नेताओं को एक साथ जोड़ा गया है।

-मकसद ये है कि बूथ के एक-एक कार्यकर्ता की मदद से हर मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित की जाए।-इन विधानसभाओं की पार्टी मुख्यालय के स्तर से निगरानी की जा रही है। यहां होने वाली गतिविधियों पर खास जोर है।

-जहां विपक्षी कांग्रेस के अलावा कोई तीसरा उम्मीदवार होगा, उस पर भी नजर है। मुकाबला त्रिकोणीय बन सके।

ये चार सीटें आज तक नहीं जीती भाजपा

चकराता (देहरादून) : 2002 से 2022 तक के सभी पांच चुनावों में यहां से कांग्रेस के प्रीतम सिंह ही विधायक रहे हैं।

पिरान कलियर (हरिद्वार) : परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई इस सीट पर 2012, 2017 और 2022 के चुनावों में कांग्रेस के फुरकान अहमद लगातार जीतते आ रहे हैं।

मंगलौर (हरिद्वार) : 2002, 2007, 2012 में यह सीट बसपा के पास थी। 2017 में कांग्रेस को मिली। 2022 में फिर बसपा, 2024 में उपचुनाव के बाद फिर कांग्रेस के पास आ गई।

धारचूला (पिथौरागढ़) : 2002, 2007 में निर्दलीय गगन सिंह रजवार जीते। 2012, 2017, 2022 में कांग्रेस के हरीश धामी विधायक हैं। 2014 का उपचुनाव भी भाजपा हारी।

मानसून से पहले चढ़ा पारा, उमस ने दिखाए तेवर

देहरादून।उत्तराखंड में इस साल मानसून सप्ताह भर की देरी से पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले मैदान से लेकर पहाड़ तक गर्मी तेवर दिखा रही है। शुक्रवार को मैदान से लेकर पहाड़ तक तापमान में बढ़ोतरी होने से उमस ने खूब परेशान किया। आंकड़ों पर नजर डालें तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 36.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से दो डिग्री इजाफे के साथ 25.3 डिग्री दर्ज किया गया। ऐसा ही हाल प्रदेश के अन्य इलाकों में रहा।पारा चढ़ने से मैदानी इलाकों में गर्म हवाओं ने भी परेशान किया। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आगामी तीन-चार दिनों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में मानसून पहुंच सकता है। इससे पहले पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश गर्मी से राहत दिलाएगी। लेकिन मैदानी क्षेत्रों में गर्मी परेशान करेगी। 27 जून के मौसम की बात करें तो पर्वतीय जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली चमकने और गर्जन के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

चारागाह की जमीन बचाने को करेंगे देवी-देवताओं का आह्वान

कंडीसौड (टिहरी)। बौर और राम गांव की चारागाह की भूमि को नीलाम करने के विरोध में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का धरना और क्रमिक अनशन पांचवें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर हुई बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि चारागाह भूमि को किसी सूरत में नीलाम नहीं होने देंगे। कहा कि 29 जून को ढोल-दमाऊं के साथ देवी देवताओं का आह्वान कर भूमि की रक्षा की प्रार्थना करेंगे। भूमि की नीलामी की निविदा निरस्त न होने तक आंदोलन जारी रहेगा। चेतावनी दी कि यदि प्रशासन नहीं माना तो उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

शनिवार को ग्रामीणों ने पैतृक भूमि संरक्षण समिति के बैनर तले सुल्याधार में नत्थी सिंह कैंतुरा की अध्यक्षता में पांचवें दिन क्रमिक अनशन कर धरना देते हुए बौर और राम गांव की करीब 79 नाली चारागाह की भूमि नीलामी का विरोध किया। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन ने चारागाह भूमि को भू-माफियाओं को बेचने के लिए निविदा निकाली गई है जिसका स्थानीय लोग हर स्तर पर विरोध करेंगे।

उन्होंने कहा कि इस भूमि को किसी भी कीमत पर नहीं बिकने दिया जाएगा। उन्होंने पैतृक भूमि, जल, जंगल, जमीन और ग्रामीण हितों की रक्षा का संकल्प दोहराया। उत्तरांद के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पंकज व्यास ने मांग का समर्थन करते हुए धरना दिया।

नयना देवी मंदिर के समीप फिर मिला शव

नैनीताल झील में नयना देवी मंदिर के समीप शनिवार सुबह एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव उतराता हुआ मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने झील में शव देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची तथा शव को झील से बाहर निकाला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 45 से 55 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। शव की शिनाख्त नही हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के थानों और गुमशुदगी के रिकॉर्ड के आधार पर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नही चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। बता दें कि शुक्रवार को भी तल्लीताल क्षेत्र में झील से मल्लीताल निवासी 45 वर्षीय एक व्यक्ति का शव मिला था।

शहरों में बने भवन भूकंप से कितने सुरक्षित

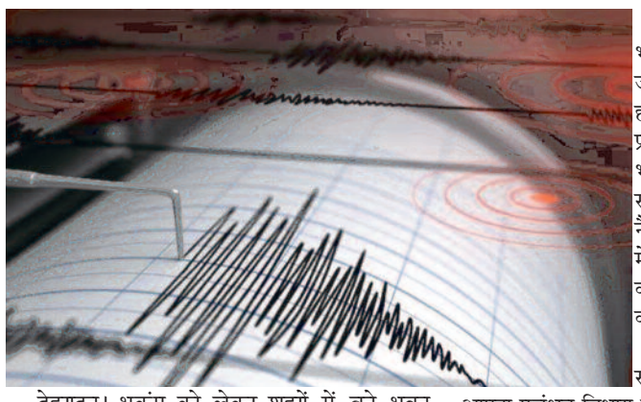

देहरादून। भूकंप को लेकर शहरों में बने भवन कितने संवेदनशील हैं इसका अध्ययन कराने की योजना है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग समेत अन्य विभागों को सीबीआरआई रुड़की के माध्यम से प्रशिक्षण देने की योजना है। इसके बाद प्रशिक्षित लोग अध्ययन करेंगे।

इसके साथ ही भूकंप रोधी भवन को तैयार करने के लिए जागरूक करेंगे। इस संबंध में हाल ही में सचिव आपदा प्रबंधन की अध्यक्षता में बैठक भी हुई। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) ने नैनीताल, मसूरी और कर्णप्रयाग में भूकंप से होने वाले जोखिम का मूल्यांकन कर रिपोर्ट तैयार की थी।

तीनों भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील मिले थे। हाल ही में आपदा प्रबंधन विभाग के सहयोग से यूएसडीएमए की बैठक हुई। इसमें राज्य के अन्य जगहों पर अध्ययन कराने पर चर्चा हुई। तय हुआ कि सीबीआरआई के माध्यम से लोनिवि समेत अन्य विभागों के इंजीनियरों के इस तरह के अध्ययन को लेकर प्रशिक्षित किया जाए, फिर छोटे शहरों में अध्ययन करेंगे।

हेली सेवा का संचालन बंद

देहरादून। चारधाम यात्रा में केदारनाथ हेली सेवा का संचालन इस बार मानसून आने से पहले बंद कर दिया गया है। डीजीसीए की ओर से 25 जून से आगे हेली सेवा संचालन की अनुमति नहीं दी गई। अब मानसून सीजन समाप्त होने के बाद सितंबर से हेली सेवा दोबारा से संचालित की जाएगी। 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट खुलनेके साथ ही हेली सेवा का संचालन शुरू किया गया था। इस बार हेली सेवा के लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से आठ हेली ऑपरेटरों का चयन किया। गुप्तकाशी, सिरसी, फाटा हेलिपैड से केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा संचालित की जाती है। हेली ऑपरेटर कंपनी राजस ऐरा स्पोर्ट्स, ट्रांस भारत एविएशन, यूनाइटेड हेली चार्टर्स, हिमालयन हेली सर्विस, पिलिग्रिमेज एविएशन, एरो एयरक्राफ्ट, चिप्सन एविएशन व थंबी एविएशन ने माध्यम से 22 अप्रैल से 25 जून 2026 तक की यात्रा अवधि में कुल 11800 से अधिक शटल (उड़ान) की। इसमें 1.37 लाख से अधिक

तीर्थयात्रियों ने हेलिकॉप्टर से केदारनाथ की यात्रा की। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि डीजीसीए ने 25 जून तक केदारनाथ हेली सेवा की अनुमति दी थी। केदारघाटी में बारिश व मौसम खराब होने से हेली सेवा में सुरक्षा के लिहाज से संचालन को आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दी है। मानसून सीजन खत्म होने के बाद सितंबर में फिर से हेली सेवा का संचालन किया जाएगा।

नैनीताल जाने वाले यात्रियों के लिए कम पड़ गईं रोडवेज की बसें

हल्द्वानी। नैनीताल रूट पर रोडवेज की अतिरिक्त बसें दौड़ाने के बावजूद यात्रियों में सीटों को लेकर मारामारी रही। शुक्रवार को मुहर्रम का अवकाश था। ऐसे में बस अड्डे पर सुबह से ही यात्रियों की भीड़ लगने लगी। दोपहर में बसें उपलब्ध न होने के कारण यात्री गर्मी में बसों का इंतजार करते नजर आए।

हल्द्वानी और काठगोदाम डिपो ने शाम तक हल्द्वानी नैनीताल रोड पर 19 बसों का संचालन किया। इस रूट पर जाम लगने के कारण भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा और वापसी पर बसें देरी से स्टेशन पहुंची। हल्द्वानी डिपो की ओर से रोजाना आठ और काठगोदाम डिपो नौ बसों का संचालन होता है लेकिन भीड़ बढ़ने पर क्रमशः एक और तीन अतिरिक्त बसें चलाईं गईं।

हल्द्वानी डिपो ने 25 दिन में 5.49 करोड़ कमाए

हल्द्वानी डिपो ने एक जून से लेकर 25 जून तक लक्ष्य से अधिक आय अर्जित की है। एआरएम संजय

पांडे ने बताया कि इस महीने में अब तक 5.49 करोड़ की आय हुई है। निगम की 90 बसों ने दिल्ली, देहरादून, चंडीगढ़ समेत पर्वतीय मार्गों से यह आय हासिल की है। डिपो का एक दिन का लक्ष्य 18.23 लाख है। एआरएम ने बताया कि इन दिनों में एक दिन की सबसे अधिक आय 2445827 रुपये हुई।

बारिश का कहर, लापता हुए पांच साल के मासूम का शव गदेरे में मिला

टिहरी गढ़वाल। बालगंगा तहसील के खिरबेल गांव में पांच वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। शुक्रवार को घर से अचानक लापता हुआ मासूम अयांस (अंशु, 5 वर्ष) पुत्र पूरण सिंह जुगत्वाण, शनिवार सुबह गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर एक गदेरे में मृत अवस्था में मिला। लगातार हुई बारिश के कारण उफनाए गदेरे में बह जाने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर करीब चार बजे अंशु की मां नीतू देवी घर में आराम कर रही थीं। इसी दौरान अंशु चुपके से घर से बाहर निकल गया। जब काफी देर तक वह नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। देखते ही देखते पूरे गांव में अफरातफरी मच गई और ग्रामीणों ने आसपास के जंगलों, खेतों व गदेरों में खोजबीन शुरू कर दी।

क्षेत्र में तेज बारिश और आंधी-तूफान

सूचना मिलने पर राजस्व विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ और वन विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। देर रात तक संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं लग पाया। रातभर ग्रामीण भी खोजबीन में जुटे रहे। इस दौरान किसी ने जंगली जानवर के हमले की आशंका जताई तो किसी ने अन्य कयास लगाए। ग्राम प्रधान रामप्यारी देवी ने बताया कि अयांस (अंशु) के घर से बाहर निकलने के तुरंत बाद क्षेत्र में तेज बारिश और आंधी-तूफान शुरू हो गया।

रासो-तांदी नृत्य और मछली आखेट के साथ मनाया मौण मेला

नैनबाग (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक क्षेत्र का ऐतिहासिक राज मौण मेला धूमधाम से मनाया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने अगलाड़ नदी में मछलियां पकड़ी और ढोल-दमाऊं की थाप पर जमकर रासो, तांदी नृत्य किया।

शनिवार को नैनबाग क्षेत्र की अगलाड़ नदी में जौनपुर का राज मौण मेला हर्षोल्लास से मनाया गया। मौण मेले में भारी संख्या में लोग पहुंचे और उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। अगलाड़ नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण लोगों को मछलियां पकड़ने में काफी परेशानी आई। बावजूद इसके लोगों ने खूब मछलियां पकड़ी।

इस बार के मौण मेले के पांतीदार अठजुला पट्टी के ग्रामीणों ने परंपरा के अनुसार टिमरू का पाउडर मौण एक साथ नदी में डाला। इस पाउडर से मछलियों के बेहोश होने पर हजारों

की संख्या में लोगों ने मछलियां पकड़ी। ऐतिहासिक राजमौण मेला टिहरी नरेश के समय से संचालित होता आ रहा है।

स्थानीय निवासी बुजुर्ग आशाराम नौटियाल, मोहन लाल कवि, बृजलाल कवि, महिशानंद कवि, शरण सिंह पंवार का कहना है कि टिहरी नरेश खुद रानी के साथ मौण मेले में आते थे। मौण मेले की अनेक विशेषताओं के साथ-साथ अनोखी पहचान है। आपसी भाईचारा, मेल-मिलाप और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के तहत लोग मौण का मेला मनाते हैं। जौनपुर के अलावा जौनसार, विकासनगर, रवाईं आदि क्षेत्र के लोगों ने मौण मेले में प्रतिभाग किया। इस मौके पर मेला समिति के अध्यक्ष महिपाल सजवाण, राकेश राणा, शरण सिंह पवार, प्रदीप कवि, गंभीर रावत, वीरेंद्र सिंह, गुड्डू चौहान, प्रवीण चौहान, अर्जुन रावत, रणवीर सिंह रावत, विरेश कवि मौजूद रहे।

एक नजर

भवन निर्माण के नाम पर लाखों लेकर फरार हुआ ठेकेदार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भवन निर्माण के नाम पर लाखों रुपये लेने के बाद ठेकेदार के लापता होने से पदमपुर क्षेत्र का एक परिवार न्याय के लिए प्रशासन के चक्कर काटने को मजबूर है। पीड़ित ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है।

वार्ड संख्या 31 निवासी कमला प्रसाद ने 31 अक्टूबर 2025 को एक ठेकेदार से करीब 29 लाख रूपये में मकान निर्माण का अनुबंध किया था। समझौते के अनुसार आठ माह में निर्माण कार्य पूरा होना था। पीड़ित के अनुसार वह अब तक ठेकेदार को 25 लाख रुपये का भुगतान कर चुके हैं, लेकिन मकान में खिड़कियां, दरवाजे, चौखट, विद्युत फिटिंग, फिनिशिंग, पेंट-पुट्टी समेत कई जरूरी कार्य अभी भी अधूरे हैं। आरोप है कि पिछले एक माह से ठेकेदार न तो संपर्क में है और न ही उसका मोबाइल फोन चालू है। इससे परिवार को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

मामले को लेकर क्षेत्रीय पार्षद सौरभ नौडियाल ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए ठेकेदार का पता लगाकर उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की। इस दौरान मनोज शाह, दीपक खत्री और रवींद्र रावत भी मौजूद रहे।

आशीष सतीजा बनें नगर उद्योग व्यापार मंडल के मीडिया संयोजक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर उद्योग व्यापार मंडल ने आशीष सतीजा को मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। नगर अध्यक्ष प्रवीण भाटिया और महामंत्री नवीन गोयल ने उन्हें पदभार सौंपते हुए संगठन की ओर से शुभकामनाएं दीं।

नई जिम्मेदारी मिलने पर आशीष सतीजा ने कहा कि वह पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

एक वर्ष से हैंडपंप खराब, ग्रामीणों का लापरवाही का आरोप

कीर्तिनगर : ग्राम पंचायत सौडू में एक वर्ष से हैंडपंप खराब पड़ा है। ग्रामीणों की ओर से कई बार जल संस्थान से हैंडपंप को ठीक कराने की गुहार लगाई गई, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। दूसरी ओर ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जल संस्थान की ओर से बिछाई गई पेयजल लाइन के रख-रखाव पर ध्यान न दिए जाने से आपूर्ति सुचारु नहीं हो पा रही है।

पूर्व प्रधान मधुसूदन बंगवाल का कहना है कि जल संस्थान से नए टैंक से पेयजल लाइन जोड़े जाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने विभाग से मांग पर जल्द कार्रवाई की मांग की। वहीं जल संस्थान के जेई विजय सिंह का कहना है कि पुराने हैंडपंप का पानी सूख गया है। उन्होंने गांव की पेयजल लाइनों को जल्द ठीक कराए जाने की बात कही। (एजेंसी)

अनियमित पेयजल आपूर्ति से लोगों में आक्रोश

देवप्रयाग : हिंसरियाखाल पट्टी के कई गांवों में अनियमित पेयजल आपूर्ति पर लोगों ने नाराजगी जताई। विजय सिंह कोली ने कहा कि इस समस्या के संबंध में कई बार शिकायत की गई, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी से जल्द समस्या के समाधान की मांग की। वहीं जल संस्थान के जेई विजय सिंह ने कहा कि जल संस्थान की ओर से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुचारु तरीके से की जा रही है। जिन गांवों से शिकायतें आ रही हैं वहां पर तत्काल शिकायतों का निस्तारण किया जा रहा है। (एजेंसी)

बैकुंठ चतुर्दशी मेला 23 नवंबर को, 15 दंपतियों ने कराया पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : इस वर्ष बैकुंठ चतुर्दशी का आयोजन 23 नवंबर को होगा। कमलेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी मेले के दौरान होने वाले खड़ दीया अनुष्ठान के लिए पंजीकरण भी शुरू हो गए हैं। संतान कामना के लिए अब तक 15 दंपतियों ने पंजीकरण करा लिया है। मंदिर के महंत 108 आशुतोष पुरी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस बार पंजीकरण प्रक्रिया समय से पहले शुरू कर दी गई है।

चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में अपने तथा अपने परिजनों के नाम से अग्रिम पंजीकरण करा रहे हैं। ताकि अनुष्ठान में भाग लेने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि यात्रा सीजन के दौरान पंजीकरण की संख्या में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। वर्तमान में दिल्ली, हरियाणा, मेरठ सहित विभिन्न राज्यों से 15 दंपती पंजीकरण करा चुके हैं।

श्रद्धालु मंदिर प्रशासन के 9412324526 एवं 7895472034 नंबरों पर संपर्क कर ऑनलाइन पंजीकरण भी करा सकते हैं। यह अनुष्ठान संतान प्राप्ति की कामना से जुड़ा हुआ है। (एजेंसी)

कर्णप्रयाग मारपीट प्रकरण में चारों निहंगों को राहत, जिला एवं सत्र न्यायालय से मिली जमानत

कर्णप्रयाग ,मारपीट मामले में चारों निहंगों को जमानत मिल गई है। इनमें से तीन निहंग जेल में बंद थे, जबकि एक निहंग का एम्स ऋषिकेश उपचार चल रहा है। गोपेश्वर जिला न्यायालय में जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिंध्याचल सिंह की अदालत ने शनिवार को यह फैसला सुनाया।

चारों आरोपियों को न्यायालय से राहत मिल गई है। हालांकि मामले की सुनवाई अब भी न्यायालय में जारी रहेगी और कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई होगी। 16 जून को जब चमोली के कर्णप्रयाग में निहंग और स्थानीय लोगों में विवाद हुआ तो पुलिस ने हमला करने वाले निहंगों के खिलाफ जान से मारने का प्रयास करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली। इसके बाद देशभर में इस घटना के संबंध में कई तरह की विवादित पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी।

कर्णप्रयाग प्रकरण के बाद उत्तराखंड में तनावपूर्ण माहौल के बीच उत्तराखंड प्रशासन और निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में महत्वपूर्ण वार्ता हुई।

बैठक में दोनों पक्षों ने शांति बनाए रखने और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने पर सहमति जताई। निहंगों ने प्रशासन के सामने मुकदमा वापस लेने, निहंग सिखों से मिलने समेत चार मांगें रखीं थी।

गंदगी डालने वालों की दें सूचना, नगर निगम करेगा कार्रवाई

कोटद्वार के पनियाली गदेरे में पड़ी गंदगी के ढेर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगर निगम लगातार अभियान चला रहा है। बावजूद कुछ लोग निगम की इस मुहिम पर पलीता लगा रहे हैं। ऐसे में अब नगर निगम ने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती दिखा शुरु कर दिया है। सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंकने व जलाने वालों के खिलाफ एक घंटे के भीतर आर्थिक दंड की कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं, यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा डालने वालों की शिकायत ऑनलाइन देता है तो उसकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। साथ ही शिकायत देने वाले व्यक्ति को सम्मानित भी किया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र के चालीस वार्डों में घर-घर से कूड़ा एकत्रित करने के लिए प्रतिदिन निगम के वाहनों का संचालन किया जाता है।

इसके एवज में नगर निगम घरों से तीस रुपये प्रतिमाह लेता है। लेकिन, कई लोग तीस रूपये बचाने के चक्कर में शहर को दूषित कर रहे हैं। लोग अब भी सार्वजनिक स्थानों व खाली पड़ी भूमि पर कूड़े का ढेर डाल रहे हैं। जिससे शहर की सूरत बिगड़ रही है। ऐसे में अब नगर निगम ने इन लोगों से सख्ती के साथ निपटने का मन बना लिया है।

पूर्व में शहर के मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। साथ ही चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए। ऐसे में अब नगर निगम ने कूड़ा डालने वालों की वीडियो ऑनलाइन निगम को देने वालों को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया है।

वीडियो मिलने के एक घंटे के भीतर निगम की टीम कूड़ा डालने वालों का चालान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

रैंक सुधारने को जागरूकता जरूरी

वर्ष 2022 में कोटद्वार नगर निगम राष्ट्रीय स्तर पर जारी होने वाली स्वच्छता सर्वे सूची में 270वें स्थान पर था। जबकि, 2024 में निगम 305वें स्थान पर पहुंचा। साफ है कि आमजन के सहयोग के बिना कोटद्वार स्वच्छता के पथ पर आगे नही बढ़ सकता। कोटद्वार को स्वच्छता की रैंक में आगे लाने के लिए आमजन को भी नगर निगम का सहयोग करना होगा। वर्तमान में कुल 60 प्रतिशत घरों से ही निगम के वाहनों में प्रतिदिन कूड़ा आ रहा है। जबकि, चालीस प्रतिशत घरों का कूड़ा या तो सर्वजनिक स्थानों पर फेंका जा रहा है या इसे जलाया जा रहा है।

गदेरे को बना दिया डंपिंग जोन

शहर में गंदगी फैलाने वालों ने शहर के बीच से गुजरने वाले पनियाली गदेरे को भी कूड़ा डंपिंग जोन बना दिया है। यही नहीं कूड़े का ढेर बढ़ने पर कई लोग इस पर आग भी लगा देते हैं। जिससे वायु प्रदूषण होता है। देवी रोड में आसपास के कई दुकानदार दुकान से निकलने वाली गंदगी को गदेरे में उड़ेलते हुए आसानी से देखे जा सकता है। गोखले मार्ग में भी फल व सब्जी बेचने वाले गंदगी का ढेर सड़क पर ही फेंककर चले जाते हैं।

इन पर नहीं होती कार्रवाई

शहर के मुख्य मार्गों पर सब्जी व फल बेचने वाले सड़क पर ही कूड़ा फेंककर चले जाते हैं। जिससे सुबह-सुबह सड़क पर गंदगी के ढेर लगे रहते हैं। बावजूद नगर निगम आज तक इसके लिए कोई सख्त नियम लेकर नहीं आ पाया। ऐसे में नगर निगम के अभियान पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

काश्तकारों को जैविक खेती के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र की न्याय पंचायत लक्ष्मणपुर के झंडीचौड़ में ह्यखेत बचाओ अभियानह्ल के तहत एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और कृषि व उद्यान विभाग की विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिविर का शुभारंभ कृषि विभाग के ब्लॉक प्रभारी केहर सिंह चौधरी और पार्षद सुखपाल शाह ने किया। केहर सिंह चौधरी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता लगातार घट रही है। उन्होंने किसानों से खेतों की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए जैविक खेती को अपनाने की अपील की। इस दौरान पार्षद सुखपाल शाह और जेपी बहुखंडी ने किसानों की समस्याएं उठाते हुए कहा कि कई किसानों को सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के नगर निगम में शामिल होने के बाद सिंचाई गूलों का निर्माण और ग्राम पंचायतों की कई योजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है।

उद्यान विभाग के डॉ. प्रशांत राठौर ने किसानों को विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पॉलीहाउस निर्माण पर 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इसके अलावा कृषि यंत्रों और बागवानी से जुड़ी कई योजनाओं का लाभ भी किसान उठा सकते हैं। शिविर में बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

पोस्टर में अपर्णा, निबंध में मानसी ने मारी बाजी

छात्रों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित नशा मुक्ति सप्ताह के तहत शनिवार को पीएम श्री राजकीय केंद्रीय विद्यालय, गोपेश्वर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने किया।

पुलिस अधीक्षक ने छात्र-छात्राओं और आमजन को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई गई। इस मौके पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में अपर्णा ने प्रथम, अमीषा ने द्वितीय और साक्षी रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में मानसी तोपाल प्रथम, अन्वीक्षा जोशी द्वितीय और आराध्या तृतीय रहीं। विजेताओं को मोमेंटो तथा उपस्थित विद्यार्थियों को टी-शर्ट वितरित की गई। इंस्पेक्टर सत्येंद्र बुटोला ने कहा कि तंबाकू, शराब और अन्य मादक पदार्थों का सेवन कई

गंभीर बीमारियों का कारण बनता है और इससे व्यक्ति, परिवार तथा समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बाल संरक्षण अधिकारी रजनी पंवार ने युवाओं से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल, योग, व्यायाम और रचनात्मक गतिविधियों से युवाओं को जोड़कर नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं संचार प्रबंधक उदय सिंह रावत ने बताया कि नशे की लत से जूझ रहे लोगों के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुष्पलता आर्य, वीरेंद्र कोटियाल, गजेंद्र सिंह, नितिन देवराड़ी, परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन राजीव नौटियाल आदि मौजूद थे।

ई-एफआईआर दर्ज करने में कोई भी कोताई ना बरते थाना प्रभारी : एसएसपी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने शनिवार को मासिक अपराध की समीक्षा बैठक ली। एसएसपी ने थानों में लम्बित विवेचनाओं के प्रति सख्त रूख अपनाते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को छोटे-मोटे अपराधो का निस्तारण 15 दिवस के भीतर व इसी प्रकार से अन्य अपराधों का निस्तारण आवश्यक रूप से 60 व 90 दिवस में करना नितांत आवश्यक है। कहा कि जिन थानों में विवेचनाएं अनावश्यक रूप से लंबित रहेंगी उन थानों में संबंधित प्रभारी एवं विवेचक के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। सभी विवेचक ई-साक्ष्य एप में भी शत-प्रतिशत कार्यवाही करें। एसएसपी ने कहा कि थाना प्रभारी ई-एफआईआर दर्ज करने में कोई भी कोताई ना बरते।

पुलिस लाइन पौड़ी में आयोजित मासिक अपराध समीक्षा बैठक में जनपद में घटित अपराधों, लंबित विवेचनाओं, कानून व्यवस्था की स्थिति, जनसुरक्षा, यातायात प्रबंधन, महिला सुरक्षा, नशा उन्मूलन अभियान तथा पुलिसिंग की गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही अधिकारियों को अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई एवं जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा कि मुख्यालय स्तर से संचालित विभिन्न अभियान, जनसुरक्षा, अपराध नियंत्रण बेहतर पुलिसिंग के महत्वपूर्ण आधार हैं, इसलिए इनके संचालन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, नशा उन्मूलन, सत्यापन अभियान, अपराधियों की धरपकड़, ऑपरेशन प्रहार एवं जन-जागरूकता अभियानों सहित सभी विशेष अभियानों को लक्ष्य आधारित एवं परिणामोन्मुखी तरीके से संचालित करने के साथ ही नियमित समीक्षा कर उसकी प्रगति, उपलब्धियों एवं कमियों का विश्लेषण सुनिश्चित किए जाएं। एसएसपी ने कहा कि शिकायतकर्ताओं व पीड़ितों की सुविधा हेतु ई-एफआईआर व जीरो एफआईआर की सुविधाओं का प्रावधान है, जिसके तहत बिना थाना आये एफआईआर पंजीकृत की जा सकती है। इस प्रकार की कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर थाना प्रभारी तुरंत उस पर एफआईआर दर्ज करवाना सुनिश्चित करें। क्योंकि जनपद में अब तक मात्र 05 ई-एफआईआर ही पंजीकृत हुई हैं, जो अपेक्षाकृत कम संख्या है। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार मनोज ठाकुर, अपर पुलिस अधीक्षक संचार अनूप काला, अभियोजन अधिकारी जावेद अहमद, क्षेत्राधिकारी सदर पौड़ी तपेश कुमार, क्षेत्राधिकारी कोटद्वार श्रीमती अस्मिता मंमगाई, सीएफओ राजेंद्र खाती आदि मौजूद रहे।

सप्लाई नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करें

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने नशामुक्त अभियान के तहत स्पष्ट निर्देश दिए कि नशे के विरुद्ध कार्रवाई केवल तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित न रहे, बल्कि इसके पीछे सक्रिय पूरे तंत्र को चिन्हित कर प्रभावी रूप से ध्वस्त किया जाए। मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल स्रोतों, सप्लायरों, परिवहनकर्ताओं, आर्थिक सहयोगियों एवं संरक्षण देने वाले तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करें। इसके साथ ही नशा प्रभावित क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों एवं चिन्हित ड्रग्स हॉटस्पॉट्स पर विशेष निगरानी बढ़ाने, नियमित चेकिंग अभियान चलाने, सघन गश्त करने, आकस्मिक निरीक्षणों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

सत्यापन अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने अपराधों की रोकथाम एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में व्यापक सत्यापन अभियान निरंतर संचालित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से किरायेदारों, घरेलू सहायकों, बाहरी श्रमिकों, फेरी-फड़ व्यवसायियों, निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों, छात्रों एवं अन्य बाहरी व्यक्तियों का समयबद्ध एवं अनिवार्य सत्यापन करने को कहा। एसएसपी ने कहा कि सत्यापन अभियान केवल औपचारिकता न होकर अपराध नियंत्रण एवं जनसुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

सामाजिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता

एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत जनपद में शांति, सामाजिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि किसी भी संवेदनशील विषय, घटना अथवा सूचना पर पूर्ण गंभीरता, सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनभावनाओं से जुड़े मामलों पर निरंतर निगरानी रखी जाए तथा स्थानीय स्तर पर संवाद, समन्वय एवं विश्वास की भावना को मजबूत बनाया जाए। एसएसपी ने सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर प्रसारित होने वाली भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा समाज में वैमनस्यता फैलाने वाली सामग्री पर सतत निगरानी रखने, अफवाहों का त्वरित खंडन कर तथ्यों को आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

जनशिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता

मासिक अपराध बैठक के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य ऑनलाइन शिकायत पोर्टलों पर प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत आमजन की अपेक्षाओं से जुड़ी होती है, इसलिए उसका निस्तारण पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। एसएसपी ने शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए शिकायतकर्ता की संतुष्टि को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

17 पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने मई माह में जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 17 पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिसमें उपनिरीक्षक दिनेश चमोली, राजराम डोभाल, विनोद चपराना, अपर उपनिरीक्षक विजय नौटियाल, मुख्य आरक्षी करन सिंह, बलबीर, संदीप, राजूलाल, आरक्षी रविन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह, चन्द्रपाल, दिनेश दिलवाल, टीपी निर्मल कुमार, बद्रीलाल, सुरेन्द्र कुमार, होमगार्ड कुलदीप, अमन कुमार शामिल थे।

निगम अस्पताल प्रशासन को भेजा नोटिस, फर्म पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज के बेस चिकित्सालय श्रीकोट की गंभीर लापरवाही सामने आई है। अस्पताल परिसर से निकलने वाला बायोमेडिकल वेस्ट नगर निगम की कूड़ा गाड़ी में मिला। इससे संक्रमण फैलने और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका है। मामले का खुलासा नगर निगम के निरीक्षण के दौरान हुआ। इसके बाद निगम प्रशासन ने संबंधित फर्म पर 50 हजार का जुर्माना लगाते हुए अस्पताल प्रशासन को नोटिस जारी किया।

नगर निगम के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि 23 जून को रूटीन निरीक्षण के तहत ट्रंचिंग ग्राउंड का दौरा किया गया। शाम के समय बेस अस्पताल श्रीकोट से आने वाली कूड़ा गाड़ी पहुंची जिसमें नीली, पीली, हरी और लाल थैलियां दिखाई दीं। शक होने पर जब थैलियों की जांच की गई तो उनके अंदर भारी मात्रा में बायोमेडिकल वेस्ट मिला। उसमें बिना डिस्पोज की हुई सिरिंज, कैन्यूला, ड्रिप बोतलें, यूरिन ब्लैडर, बीटाडिन, खून से सने ग्लव्स, कॉटन, बैंडेज और अन्य संक्रमित सामग्री बरामद हुई। यह सामग्री सीधे तौर पर सफाई कर्मियों और पर्यावरण मित्रों के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती थी। नगर निगम ने इस संबंध में बेस अस्पताल में कार्यरत संबंधित फर्म मैसर्स निर्मल फैसिलिटी पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया और अस्पताल प्रशासन को नोटिस जारी किया गया। तीन दिन में जुर्माना जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ने कहा कि बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के अनुसार बल्क वेस्ट जनरेटर को अपने कचरे का निस्तारण स्वयं करना अनिवार्य है। इसके बावजूद अस्पताल से जुड़े संस्थान की ओर से नियमों का खुला उल्लंघन किया गया। इसके जीपीएस आधारित फोटोग्राफ भी निगम के पास सुरक्षित हैं। (एजेंसी)

दोषियों पर होगी कार्रवाई

नगर निगम श्रीनगर गढ़वाल महापौर आरती भंडारी ने कहा कि यह बेहद अमानवीय और गैर-जिम्मेदाराना कृत्य है। मेडिकल वेस्ट को सामान्य कूड़े में मिलाना सीधे तौर पर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ है।

स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए। भविष्य में इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगरसू, रुद्रप्रयाग प्रकरण और राज्य की कानून-व्यवस्था के संबंध में लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों की ओर से सभा आयोजित की गई। वक्ताओं ने सरकार से यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। पीपलचौरी में आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का अतिथि देवो भवः की भावना के साथ स्वागत किया जाता है, लेकिन क्षेत्र की अस्मिता का अपमान, हुड़दंग और अभद्र व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। राज्य आंदोलनकारी प्रभाकर बाबुलकर ने नगरसू घटना को प्रशासनिक विफलता बताते हुए कहा कि यात्रा मार्ग पर प्रबंधन और बुनियादी सुविधाओं की कमी से लगातार अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। आंदोलनकारी सरस्वती देवी ने कहा कि कानून-व्यवस्था के मामले को सामाजिक और क्षेत्रीय विभाजन का रूप देने से बचना चाहिए। डॉ. मुकेश सेमवाल ने सरकार पर यात्रा व्यवस्थाओं में अनियमितताओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। वहीं भारत सिंह असवाल और दिगंबर सिंह ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। सभा में अनिल स्वामी, अनिल तिवारी, पृथ्वी बिष्ट, तन्मय, शंभू, अशोक सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम आधार कार्ड में रोहित नेगी दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम रोहन नेगी है। मैं अपने पुत्र के आधार कार्ड में उसका सही व वास्तविक नाम रोहन नेगी दर्ज कराना चाहता हूं। अतः मेरे पुत्र के आधार कार्ड में पुत्र का सही व वास्तविक नाम रोहन नेगी दर्ज किया जाय।

पवन सिंह नेगी पुत्र दिगम्बर सिंह नेगी निवासी ग्राम ढुंगरी, पाबौ, तहसील पौड़ी, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0543/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा वास्तविक नाम तरूण कुमार डबराल है, परन्तु कलमी भूलवश मेरा नाम आधार कार्ड, पैन कार्ड, परिवार रजिस्टर आदि में तरूण कुमार दर्ज हो गया है। मेरे जाति प्रमाण पत्र में भी मेरी जाति डबराल ही अंकित है। उपरोक्त आधार पर भविष्य में मुझे तरूण कुमार डबराल पुत्र श्री दीपचन्द डबराल के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

तरूण कुमार डबराल पुत्र दीपचन्द डबराल निवासी ग्राम बड़ेथ, पोस्ट ऑफिस काण्डाखाल, पटटी लंगूर पल्ला, तहसील कोटद्वार, जिल पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड हाल निवासी ग्राम पदमपुर, पटटी मोटाढाक, तहसील कोटद्वार, जिल पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0542/21)

कोदो–कुटकी की खेती अपनाएं, पोषण और समृद्धि दोनों पाएं

एल.डी. मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि परंपरा में कोदो और कुटकी का विशेष महत्व रहा है। सदियों से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के भोजन का अभिन्न हिस्सा रहे ये लघु धान्य आज एक बार फिर किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। बदलती जलवायु परिस्थितियों, पोषण संबंधी चुनौतियों और बेहतर कृषि की आवश्यकता के बीच कोदो–कुटकी जैसी मिलेट फसलें भविष्य की खेती का मजबूत आधार बनकर उभर रही हैं।कोदो (पास्पलम स्क्रोबिकुलेटम) और कुटकी (पैनिकम सुमाट्रेंस) ऐसी फसलें हैं जिन्हें कम पानी, कम लागत और सीमित संसाधनों में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यही कारण है कि ये छोटे और सीमांत किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का माध्यम बन रही हैं। कम उपजाऊ पथरीली और ढालू भूमि में भी इनकी खेती संभव है, जहां अन्य फसलें अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पातीं।आज जब दुनिया स्वास्थ्यवर्धक भोजन की ओर लौट रही है, तब कोदो और कुटकी का महत्व और बढ़ गया है। कोदो में प्रोटीन, काबोहाइड्रेट, आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जबकि कुटकी फाइबर, प्रोटीन, फास्फोरस तथा अन्य खनिज तत्वों से भरपूर होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इनका नियमित सेवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और एनीमिया जैसी समस्याओं के नियंत्रण में सहायक हो सकता है। यही वजह है कि आज इन्हें 'सुपर फूडइ के रूप में पहचान मिल रही है।छत्तीसगढ़ सरकार भी मिलेट फसलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2026 में कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा कुटकी का 3,350 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ इन फसलों की खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है। विभागीय जानकारी के अनुसार खरीफ वर्ष 2025 में प्रदेश में कोदो फसल 39.02 हेक्टेयर और कुटकी फसल 38.03 हेक्टेयर रकबे में लगाए गए थे। वैसे विगत खरीफ वर्ष में प्रति हेक्टेयर कोदो की उत्पादन 550 किलोग्राम तथा कुटकी की उत्पादन 675 किलोग्राम दर्ज की गई है। यानी कोदो की उत्पादन 21.46 टन थी, वहीं 25.67 टन कुटकी का उत्पादन हुआ था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी किसानों से धान के साथ–साथ कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसलों का उत्पादन बढ़ाने की अपील की है।कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि उन्नत तकनीकों को अपनाकर कोदो–कुटकी की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। मानसून की शुरुआत के साथ जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बुवाई, बीजोपचार, कतार पद्धति, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा समय पर खरपतवार नियंत्रण जैसे उपाय किसानों को बेहतर उत्पादन दिला सकते हैं।

बढ़ती बाजार मांग, मिलेट आधारित उत्पादों का विस्तार और सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं इन फसलों के व्यावसायिक महत्व को लगातार बढ़ा रही हैं। एक समय केवल ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों तक सीमित रहने वाली कोदो–कुटकी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बना रही हैं।

विमानन उद्योग संकट में

खबरों के मुताबिक एयर इंडिया उड़ानों में कटौती, ऑर्डर दिए विमानों की डिलीवरी लेने में देर, और विस्तार योजनाओं पर विराम लगाने जा रही है। इस बीच उसकी सेवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठे हैं।घाटे की दलील देकर दशकों से एयर इंडिया के निजीकरण के पक्ष में माहौल बनाया गया। कहा जाता था कि नौकरशाहों के अकुशल प्रबंधन और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण करदाताओं के हजारों करोड़ रुपए डूबाए गए हैं। आखिरकार इन तर्कों की जीत हुई। 2022 में नरेंद्र मोदी सरकार ने एयर इंडिया को टाटा ग्रुप को सौंप दिया। मगर अब हाल यह है कि सिर्फ गुजरे साल में कंपनी को तीन बिलियन डॉलर का घाटा हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इसके मद्देनजर कंपनी ने उड़ानों में कटौती, ऑर्डर दिए विमानों की डिलीवरी लेने में देर, और विस्तार योजनाओं पर विराम लगाने का फैसला किया है। इस बीच एयर इंडिया की सेवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं।एक साल गुजरने के बाद भी एआई–171 की हुई दुर्घटना के कारण अज्ञात हैं। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने कहा है कि उड़ान भरने के महज 32 सेकंड बाद हुई इस भीषण दुर्घटना की वजह के बारे में ठोस नतीजे तक पहुंचने में उसे अभी और वक्त लगेगा। उचित ही इसे एएआईबी की दर्दनाक अकुशलता का सबूत बताया गया है। गौरतलब है, एयर इंडिया के निजी हाथ में जाने के साथ भारतीय विमानन क्षेत्र में लगभग ड्यूओपॉली (दो कंपनियों का वर्चस्व) बन गई।उनमें से एक कंपनी–इंडिगो ने पायलटों की कार्यस्थिति संबंधी नियमों को लेकर सेवाओं को ही अस्त–व्यस्त कर देने का जो कथित नजरिया अपनाया, उससे प्रतिस्पर्धा खत्म होने के जोखिम खुल कर सामने आ गए थे।]

स्वछंद जीवन शैली से बहकते कदम से सिया सोनम और मुस्कान की श्रृंखला

मनोज कुमार अग्रवाल

किशोर अवस्था से यौवन की ओर कदम बढ़ाती लड़किया कई बार अभिभावकों की खुली छूट या माडर्न बिंदास जीवन शैली के भ्रम में गलत रास्ते पर चली जाती है और प्रेमियों पर भरोसा कर अंतरग पल बिता लेती है यही से इनके चालाक और रईसजादी बीबी पाने का मन बना चुके आशिक इनके अंतरंग पलो के फोटो और वीडियो कैप्चर कर स्टोर कर लेते हैं और जब जवानी के नशे में हुई गलतियों से बाहर निकल कर किसी केतन के साथ सगाई करती है तो इनके एक्स आशिक इनके फोटो वीडियो फलेश करने की धमकी दे कर बरगलाते है सामाजिक प्रतिष्ठा और घर परिवार की ईजजत नीलाम होने के भय से ऐसी लड़किया एक्स के ईशारे और सहयोग से मंगेतर को ही पहाड़ी से धकेल कर मारने का अक्षम्य अपराध कर जाती है। इस मामले की तह तक पड़ताल कर सारे षडयंत्र को बुनने वाले चेतन बाबूलाल का नारको टैस्ट होना चाहिए सिया गोयल एक बेबकूफ नादान मोहरा है दोनों को फास्ट कोर्ट में सुनवाई कर फांसी की सजा होनी चाहिए। अभिभावकों को अपनी सियाओ पर नकेल कस कर उनके अनुसार विवाह का निर्णय लेना चाहिए ताकि कोई राजा रघुवंशी या केतन विशाल अग्रवाल किसी नागिन के मंगेतर होने की कीमत जान से न चुकाए।

पुणे में घटित केतन विशाल अग्रवाल हत्याकांड ने एक बार फिर भारतीय समाज की उन परतों को उधेड़ दिया हैजिसे जान कर भी मानने से इंकार किया जा रहा हैं, क्योंकि हमें आदर्शवादी समाज का दिखावा बनाए रखना है। असीम संभावनाओं से भरे 26 साल के केतन अग्रवाल की हत्या उनकी मंगेतर सिया गोयल ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर कर दी। पुणे के पास लोहागढ़ के किले में ट्रेकिंग के बहाने सिया केतन को ले गई, उससे पहले अपने जन्मदिन का जश्न केतन के साथ मनाया और बाकायदा सोशल मीडिया पर उसे डाला भी। उन वीडियो को देखकर जरा सा अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि इस दौरान कितनी भयावह योजना उसके दिमाग में चल रही होगी। लोहागढ़ किले में जब केतन और सिया पहुंचे तो उनके साथ-साथ चेतन चौधरी भी पहुंचा, जिसके साथ मिलकर सिया ने केतन को ऊंचाई से धक्का दे दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर फिर पोस्ट डाली कि जन्मदिन पर तुम मुझे छोड़ कर चले गए। पहले पहल इसे सामान्य दुर्घटना मानकर सिया के लिए ही सबकी सहानुभूति उमड़ी कि नवंबर में इनकी शादी होनी थी, जिसके लिए दोनों परिवार जमकर तैयारी कर रहे थे। जयपुर में शाही अंदाज में शादी करवाने के लिए 17 करोड़ रूपयों में एक महल भी बुक करवा लिया गया था, लेकिन उससे पहले इतना बुरा हादसा हो गया। पुलिस ने जब इस दुर्घटना की जांच शुरू की तो कुछ अजीबोगरीब संयोगों पर नजर गई, जैसे शादी से पहले की फोटोग्राफी करवाने के लिए यह जोड़ा बाली जाने वाला था, और एक दिन पहले केतन का पासपोर्ट अचानक गुम हो गया। 14 जून को भी सिया और केतन लोहागढ़ ट्रेक पर गए थे, जहां केतन को सिया ने धक्का दिया था और उसने झाड़ी पकड़कर खुद को बचाया था, तब सिया ने कहा था कि उसने सांप देखा और केतन की जान बचाने के लिए घबराहट में उसे धक्का दिया। लेकिन 18 जून को जब यह जोड़ा फिर से लोहागढ़ ट्रेक पहुंचा तो इस बार उनके करीब ही एक युवक सर्दियों में पहने जाने वाली हुडी को पहना हुआ था और उसका चेहरा छिपा था, जबकि पुणे में अभी गर्मी ही है। पुलिस ने जब इन सारे तथ्यों की गहराई से पड़ताल की तो यह समझने में वक्त नहीं लगा कि यह सामान्य हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या थी।

अब सिया पुलिस की गिरफ्त में है, केतन के घरवाले स्वाभाविक तौर पर उसके लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। उनका एक ही सवाल है कि अगर किसी और से प्यार था और केतन से शादी नहीं करनी थी, तो पहले ही अपने घरवालों को मना कर देना था, इसके लिए हमारे बेटे को मारने की क्या जरूरत थी। ठीक ऐसा ही सवाल पिछले साल मेघालय में क्रूरता से मारे गए राजा रघुवंशी के घर वाले भी पूछ रहे थे। जब राजा से शादी करने के चंद दिनों बाद सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उनकी हत्या कर दी थी। असल में इन्हें प्रेमी या प्रेमिका कहना प्रेम जैसे पवित्र भाव का अपमान करने जैसा है, ये अपराध में भागीदार होते हैं, इससे ज्यादा इन्हें और कुछ नहीं कहा जा सकता। ये वासना के सने कीड़े है।

बहरहाल, इंदौर से लेकर पुणे तक अपने जीवनसाथी को मारने की घटनाएं समाज में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति को तो दिखाती ही हैं, साथ ही यह संकेत भी देती हैं कि एक परंपरागत लीक पर समाज को चलाने की कोशिश कई बार कितने भयावह परिणाम लाती है। न जाने क्यों भारतीय समाज में अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनने या किसी से प्यार करने के बाद शादी करने को अभी भी समाज घटिया या हिकारत से देखता है। आज के दौर में भी बहुत से अभिभावक यह कहने से हिचकते हैं कि उनकी बेटी या बेटे ने अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुना है। पितृसत्तात्मक समाज बेटे की पसंद को एक बार सहजता से स्वीकार कर भी ले, लेकिन अधिकतर घरों में बेटियां खुलकर जीवनसाथी के लिए अपनी मर्जी का इजहार कर ही नहीं पाती हैं। अगर करें तो उसे या तो पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव बताया जाता है, या फिर निर्लज्जता की श्रेणी में डाला जाता है। शायद इसी वजह से कई बार सही राह पर चलकर अपनी मर्जी बताने की जगह हत्या करने जैसा आपराधिक कदम उठाया जाता है, जिसकी कोई माफी नहीं दी जा सकती। जो इंसान किसी दूसरे की जान लेने जैसा अतिरेक भरा कदम उठा सकता है, वो इतनी हिम्मत क्यों नहीं जुटा पाता कि शादी के लिए अपनी मर्जी बताए या मां-बाप के दबाव को मानने से इंकार करे।

सिया गोयल और सोनम रघुवंशी दोनों को यदि सामाजिक दायरे में पर्याप्त परिवारिक नियंत्रण और मयार्दा में रहकर जीने का विचार दिया जाता तो वह किसी आशिक के जाल में फंस कर अपराध की ओर अग्रसर नही होती। या फिर उन्हें अपने पसंद के लड़कों से शादी करनी थी या मां-बाप की मर्जी से शादी नहीं करनी थी, तो वे पहले बता सकती थीं, इससे घर बर्बाद नहीं होते, न ही विवाह जैसी संस्था से भरोसा उठता। मगर इन्होंने गलत राह चुनी। हालांकि इनके कारण केवल लड़कियों पर सवाल उठाने से इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं मिलेगा। अभी बीते दिनों नोएडा से लेकर भोपाल कलकत्ता से लेकर देहरादून तक दहेज हत्याओं या ससुराल में मिली प्रताड़ना के कारण हुई मौतों के मामले सामने आए, जिनमें नवयुवतियों की जिंदगी बर्बाद हुई और उनके मां-बाप जिंदगी भर का दुख अब उठा रहे हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि विवाह से पहले स्वतंत्र स्वछंद जीवन जीने का मन बना चुकी लड़कियों को ससुराल की बंदिश और मयार्दा में रहकर जीना स्वीकार नहीं है जिस कारण वह कई बार आत्महत्या कर ससुराल वालों को दहेज हत्या व उत्पीड़न के अपराध में फंसा जातीं हैं।

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट आधारित वित्तीय सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगों ने भी अपनी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया है। इन अपराधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका तथाकथित म्यूल अकाउंट या फर्जी बैंक खातों की होती है, जिनका उपयोग अवैध रूप से प्राप्त धनराशि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसी समस्या से निपटने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भरूच साइबर क्राइम पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

भरूच में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराध केवल कंप्यूटर या मोबाइल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं, जो बैंक खातों, मोबाइल सिम कार्डों और डिजिटल पहचान का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देते हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्रों और गलत दस्तावेजों की सहायता से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धन को जमा करने और बाद में अन्य खातों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था।

साइबर अपराध की दुनिया में म्यूल अकाउंट एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सामान्य भाषा में इसे ऐसे बैंक खाते के रूप में समझा जा सकता है जिसका उपयोग अपराधी अपने अवैध लेन-देन को छिपाने के लिए करते हैं। कई बार अपराधी स्वयं खाते नहीं खोलते, बल्कि दूसरे लोगों को लालच देकर या उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर खाते खुलवा लेते हैं। इसके बाद ठगी से प्राप्त धन इन खातों में जमा किया जाता है और फिर कई चरणों में विभिन्न खातों में भेजकर उसके स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता है। इससे जांच एजेंसियों के लिए वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

भरूच में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि उन्होंने पहले से खरीदे गए मोबाइल सिम कार्डों को बैंक खातों से जोड़ रखा था। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इन खातों में जमा होती थी और फिर उसे विभिन्न माध्यमों से आगे भेज दिया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का उद्देश्य अवैध धन के प्रवाह को वैध दिखाना और जांच एजेंसियों को भ्रमित करना था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज बरामद किए हैं, जो इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते हैं। गुजरात पुलिस का ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साइबर अपराधों की जड़ों तक पहुंचने का प्रयास भी है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। फर्जी कॉल, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, ऑनलाइन नौकरी का झांसा, केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लोन ऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों ने आम नागरिकों की सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इन अपराधों में प्राप्त धनराशि को छिपाने के लिए म्यूल खातों का उपयोग व्यापक स्तर पर किया जाता है। इसलिए इन खातों के नेटवर्क को तोड़ना साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि साइबर अपराधों को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब अधिक सक्रिय और तकनीकी रूप से सक्षम हो रही हैं। डिजिटल अपराधों की जांच में अब डेटा विश्लेषण, साइबर फॉरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इससे अपराधियों तक पहुंचने और उनके नेटवर्क का पदार्फाश करने में सहायता मिल रही है। हालांकि केवल पुलिस कार्रवाई से ही साइबर अपराधों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सकता। इसके लिए आम नागरिकों की जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। साइबर अपराधी अक्सर लोगों की लापरवाही, जानकारी की कमी और लालच का फायदा उठाते हैं। कई लोग थोड़े से आर्थिक लाभ के लिए अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग करने के लिए दे देते हैं। बाद में यही साधन साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने लगते हैं और संबंधित व्यक्ति भी कानूनी परेशानी में फंस सकता है। इसलिए पुलिस ने नागरिकों से विशेष रूप से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी, इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को न दें।

आज के समय में साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्कता सबसे बड़ा हथियार है। किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा फोन, संदेश या ईमेल के माध्यम से मांगी गई व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। बैंक, सरकारी संस्थान या प्रतिष्ठित कंपनियां कभी भी फोन पर ओटीपी, पासवर्ड या बैंकिंग विवरण नहीं मांगतीं। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की जानकारी मांगता है तो उसे तुरंत संदिग्ध मानना चाहिए। इसी प्रकार सोशल मीडिया पर प्राप्त होने वाले आकर्षक ठगी की गई राशि को आगे स्थानांतरित होने से रोका जा सके।

भरूच में हुई यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई नहीं कर रही हैं, बल्कि उन नेटवर्कों को भी निशाना बना रही हैं जो साइबर ठगी को संभव बनाते हैं। ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 जैसे अभियान डिजिटल अपराधों के खिलाफ एक मजबूत रणनीति का हिस्सा हैं और भविष्य में ऐसे अभियानों से साइबर अपराधियों के लिए काम करना और अधिक कठिन हो जाएगा।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में साइबर सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। जागरूकता, सतर्कता और तकनीकी समझ के माध्यम से ही साइबर अपराधों के खतरे को कम किया जा सकता है। भरूच की यह घटना हमें याद दिलाती है कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके खोज रहे हैं, इसलिए समाज को भी अपनी सुरक्षा के प्रति उतना ही सजग और जिम्मेदार होना होगा। तभी डिजिटल भारत का सपना सुरक्षित और मजबूत आधार पर आगे बढ़ सकेगा।

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

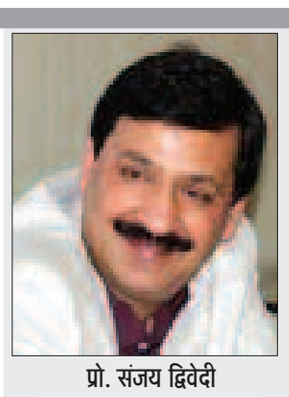

प्रो. संजय द्विवेदी

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है।

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

वैचारिक हीनग्रंथि से बाहर आई भाजपा-

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धमार्चार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी

राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी।

यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें-नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

सेकुलर संक्रमण से मुक्ति से मिली नई पहचान-

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है-'राम, रोटी और इंसाफ।'

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है।

भारतीयता का विमर्श अब केंद्रीय विमर्श-

आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना। एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी। बदले समय में वह उम्मीद जगा रही है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो भरोसा जगाते हैं। एक आकांक्षावान भारत बनता हुआ दिखता है। यह आकांक्षाएं राजनीति दलों के एजेंडे से जुड़ पाएं तो देश जल्दी और बेहतर बनेगा। राजनीतिक विमर्श और जनविमर्श को साथ लाने की कवायद हमें करनी ही होगी। जल्दी बहुत जल्दी। यह जितना और जितना जल्दी होगा भारत अपने भाग्य पर इठलाता दिखेगा।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशी राष्ट्रपति से मिले हाई कमिश्नर, 'टेबल ऑफ प्रिसिडेंस' में मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को ढाका स्थित बंगभवन में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। इस मौके पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक चुस्त-दुरुस्त टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। परिचय पत्र सौंपने के बाद दिनेश त्रिवेदी ने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के रिश्तों, सीमा से जुड़े मुद्दों और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव ने दी जानकारी मुलाकात के बाद राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मो. सरवर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति ने नए भारतीय हाई कमिश्नर का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनका कार्यकाल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को और मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। 'भारत रिश्ते मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध' राष्ट्रपति ने इस साल फरवरी में हुए आम चुनावों के बाद बनी नई लोकतांत्रिक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की मौजूदगी को भी याद किया और उसके लिए भारत के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश का करीबी पड़ोसी, महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और विकास सहयोगी है। बांग्लादेश भारत के साथ सम्मानजनक, संतुलित और भविष्य को ध्यान में रखकर साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि दोनों संप्रभु देशों के बीच स्वाभाविक रूप से मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और भारत इन्हें और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बांग्लादेश बोला- रहमान के सलाहकार से बर्ताव पर दिल्ली की सफाई असंतोषजनक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने नई दिल्ली हवाई अड्डे पर अपने पीएम तारिक रहमान के सलाहकार के साथ हुए घटनाक्रम के बारे में भारत के स्पष्टीकरण को असंतोषजनक करार दिया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, इस घटना पर भारतीय पक्ष की सफाई संतोषजनक नहीं थी। वह बोले, पीएम के सूचना-रणनीति सलाहकार जाहिद उर रहमान के साथ हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक थी। रहमान का नाम सुरक्षा से जुड़ी एक ब्लैकलिस्ट में होने के कारण उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने कुछ देर के लिए रोका गया था। बाद में उनकी यात्रा की पुष्टि के बाद उन्हें अनुमति मिली लेकिन उन्होंने अपनी मर्जी से ढाका लौटने का फैसला किया।

अमेरिका, फ्रांस और स्पेन के रहने वाले; टोटल केस 9 हुए, अब तक 3 की मौत

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। हंतावायरस के संपर्क में आए 3 और लोगों में संक्रमण मिला है। इनमें एक अमेरिकी और एक फ्रांसीसी यात्री शामिल हैं, जो पहले अपने-अपने देश लौट चुके थे। वहीं, मैड्रिड में क्वारैंटाइन एक स्पेनिश नागरिक की शुरुआती रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। अब तक 3 यात्रियों की मौत हो चुकी है। 11 अप्रैल को एक बुजुर्ग डच यात्री की जहाज पर मौत हुई थी। उनकी पत्नी बाद में दक्षिण अफ्रीका में मृत मिलीं। 2 मई को एक जर्मन महिला की जहाज पर मौत हो गई। ये सभी यात्री 'एमवी होंडियस' नाम की उस क्रूज शिप से लौटे हैं, जहां वायरस के मामले सामने आए थे। यह जहाज स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में रुका था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक जहाज से जुड़े हंतावायरस के 9 केस कन्फर्म हो चुके हैं। डब्ल्यूएचओ ने जहाज से लौटने वाले सभी लोगों के लिए 42 दिन आइसोलेशन की सिफारिश की है। हालांकि अमेरिकी सीडीसी ने कहा कि वायरस का इंसान से इंसान में फैलना दुर्लभ है और इसे कोविड जैसी महामारी नहीं माना जाना चाहिए। इससे पहले सोमवार को हंतावायरस के संपर्क में आए 17 अमेरिकी यात्रियों को अमेरिका के नेब्रास्का मेडिकल सेंटर लाया गया। यहां उन्हें 42 दिनों तक निगरानी और क्वारिंटीन में रखा जाएगा। हंतावायरस के लक्षण दिखने में 8 हफ्ते तक लग सकते हैं हंतावायरस से इंसानों की किडनी फेल होने का खतरा होता है। कई मामलों में मरीज को तेज बुखार, शरीर दर्द, सांस लेने में दिक्कत और कमजोरी होने लगती है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद तबाही का मंजर मलबे में अपनों को ढूंढ रहे लोग; हजारों लापता

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में गुरुवार तड़के आए 2-2 ताकतवर भूकंप के बाद तबाही का मंजर पसरा हुआ है। हजारों लोग लापता है जिनकी खोज जारी है। घायल और परेशान लोग मलबे के ढेरों में अपनों की तलाश कर रहे हैं। वहीं सैकड़ों लोगों ने पार्क, पार्किंग और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताई। दूसरी तरफ अब तक 188 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। राहत दल बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप से कई प्रांतों में भारी नुकसान हुआ है और कई इमारतें ढह गईं। ये भूकंप एक सदी से भी अधिक समय में वेनेजुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से हैं। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के बाद देशभर में हजारों लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी काराकस के उत्तर में स्थित ला गुएरा के तटीय इलाके में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है। अपनों की तलाश में बिलख रहे लोग उत्तरी वेनेजुएला के शहरों में इस वक्त चीख-पुकार और मातम का माहौल है। मलबे से धूल और खून से सने लोगों, बच्चों और बेजुबान जानवरों को निकाला जा रहा है। वेनेजुएला के सरकारी टीवी पर दिखाए गए वीडियो में एक जगह सीमेंट के भारी-भरकम स्लैब के नीचे एक महिला दबी हुई थी, जिसका सिर्फ एक नंगा पैर बाहर दिखाई

दे रहा था। रेस्क्यू टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे जिंदा बाहर निकाला। मलबे के पास खड़ी डायना डेलगाडो ने रोते हुए प्रशासन पर गुस्सा निकाला, 'सरकार ने जिस भारी मशीनरी का वादा किया था, वो कहां है? हमारे पड़ोसी खुद हाथों से मलबा खोद रहे हैं। मेरा 8 साल का बेटा लापता है, मुझे नहीं पता वो मलबे में है या किसी शेल्टर होम में।' एक अन्य जगह पर एक मां अपने 3 और 10 साल के बच्चों के शवों को कंबल में लिपटे देख रो पड़ी।

'ला गुएरा' बना डिजास्टर जोन : राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय क्षेत्र ला गुएरा इस आपदा का सबसे बड़ा शिकार बना है। एक रिटायर्ड शिक्षक जुआन अल्बर्टो ने बताया कि वे मलबे के बीच से गुजर रहे थे, जहां हर तरफ लाशें थीं। तभी उन्हें एक दबी हुई महिला दिखी जो हाथ हिलाकर मदद मांग रही थी, लेकिन संसाधन न होने के कारण वे बेबस थे। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में ला गुएरा में एक अस्पताल के बाहर दर्जनों लोगों का इलाज होते हुए देखा जा सकता है, इनमें से कुछ जमीन पर लेटे थे और कुछ बिस्तरों पर थे। देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ला गुएरा में ही है, जो भूकंप के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गया है। इसके बंद होने से विदेशों से आने वाली राहत सामग्री और टीमों को लैंड कराने में भारी लॉजिस्टिक दिक्कतें आ रही हैं। वहीं मेट्रो और गैस आपूर्ति जैसी सेवाएं भी रोक दी गईं। इस बीच वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को कहा है कि भूकंप में कम से कम 235 लोगों की मौत हो गई और 4300 से अधिक लोग घायल हो गए। इससे फलद रॉड्रिगेज ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और कुछ स्कूल भवनों का इस्तेमाल राहत शिविरों और सहायता केंद्रों के तौर पर किया जाएगा। इस बीच वेनेजुएला की मदद के लिए कई देश आगे आए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया है कि अमेरिका बचाव दल, चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भेज रहा है। कई अन्य देशों ने भी वेनेजुएला को सहायता देने की पेशकश की है। रॉड्रिगेज ने बताया कि कतर से बचाव दल पहले ही रवाना हो चुके हैं, जबकि मैक्सिको और अल साल्वाडोर से भी टीमें पहुंचने वाली हैं। वहीं उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाने के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी शुक्रिया अदा किया है। वेनेजुएला में इस तबाही का कारण ट्विन अर्थक्वेक है। यहां राजधानी कराकास से कुछ ही दूरी पर महज कुछ सेकेंड के अंदर भूकंप के दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, गुरुवार को आए पहले भूकंप की तीव्रता 7.2 रही और इसका केंद्र देश के कैरेबियाई तट पर स्थित मोरोन के पश्चिम में जमीन के भीतर 22 किलोमीटर की गहराई में था। यह जगह काराकस से करीब 170 किलोमीटर दूर स्थित है। वहीं ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और अधिक शक्तिशाली भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र मोरोन से 16 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई में था।

सिंगापुर में 400 से ज्यादा कर्मचारियों की सैलरी रुकी, हाई कमीशन ने की मदद

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में काम करने गए 400 से ज्यादा भारतीय और बांग्लादेशी मजदूरों के सामने एक बहुत बड़ा और गंभीर संकट खड़ा हो गया है। एसके इंडस्ट्रीज, केपीए इंजीनियरिंग और वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग नाम की तीन कंपनियों ने कर्मचारियों को बिना वेतन के छोड़ दिया है। इन सभी कंपनियों ने मजदूरों को न तो उनकी महीनों की मेहनत की सैलरी दी है और न ही रहने के लिए कोई उचित जगह दी है। इस घटना के सामने आने के बाद भारतीय हाई कमीशन ने तत्काल प्रभाव से हस्तक्षेप करते हुए मजदूरों की मदद शुरू कर दी है।

भारतीय हाई कमीशन नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस और मिनिस्ट्री ऑफ मैनपावर के साथ मिलकर इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों कंपनियों के एक कॉमन डायरेक्टर की पहचान भारतीय नागरिक रामू पलानी वेलु के रूप में पूरी तरह से हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि सिंगापुर का यह स्थायी निवासी डायरेक्टर रामू सभी कर्मचारियों के पैसे हड़प कर देश छोड़कर कहीं भाग गया है। सरकार अब इन कंपनियों के पुराने रिकॉर्ड और सभी अहम दस्तावेजों की बहुत ही गहराई के साथ जांच-पड़ताल कर रही है।

मजदूरों को दी जा रही मदद

सिंगापुर में फंसे इन सभी मजदूरों की तत्काल मदद के लिए संबंधित अधिकारियों ने बुधवार को उनसे मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। मजदूरों को राहत देने के लिए एसजीडी200 नकद और सुपरमार्केट से सामान खरीदने के लिए विशेष शॉपिंग वाउचर भी तुरंत दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रशासन उनके रहने के लिए दूसरी सुरक्षित जगह का इंतजाम कर रहा है और उन्हें नई नौकरी दिलाने की कोशिशें भी जारी हैं। जांच में यह साफ पता चला है कि रामू ने साल 2014 में अपना पहला बिजनेस केपीए इंजीनियरिंग शुरू किया था जिसकी कैपिटल एसजीडी1 मिलियन थी। इसके बाद 2019 में उसने एसजीडी 100,000 की कैपिटल के साथ कम्फर्ट एयर इंजीनियरिंग नाम की एक और नई कंपनी शुरू की थी। साल 2023 में उसने एसजीडी200,000 की भारी कैपिटल के साथ एसके इंडस्ट्रीज रजिस्टर की और 2025 में वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग का कामकाज संभाला। वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग को काफी कीमती माना जाता था क्योंकि इसके पास जुरोंग आइलैंड जैसी जगहों पर काम करने के लिए खास वर्क परमिट थे।

लोगों को भूखा रख-नौकरियां छीन विद्रोह को दबाने में जुटी शहबाज सरकार, 17 दिन से पीओके में प्रदर्शन जारी

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में इस्लामाबाद के खिलाफ जन विद्रोह अपने चरम पर पहुंच गया है। अवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में जारी व्यापक प्रदर्शन लगातार 17वें दिन भी जारी रहा। जनता का आरोप है कि आंदोलन को दबाने के लिए शहबाज सरकार के निर्देश पर प्रशासन अब लोगों को भूखा रखने व नौकरियां छीनने के अमानवीय हथकंडे अपना रहा है। इसके तहत पाकिस्तान से पीओके को जोड़ने वाले प्रवेश मार्गों पर खाद्य सामग्री और जरूरी सामानों से लदे ट्रकों को रोक रहा है। आवश्यक वस्तुओं की जानबूझकर पैदा की गई इस किल्लत से स्थानीय समुदाय पर दबाव बढ़ गया है। प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आरोप में अब तक 128 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया गया है। आंदोलन के नेताओं का आरोप है कि सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को भी प्रदर्शन में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है। उन्हें पेंशन रोकने की धमकी दी जा रही है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक कार्रवाई में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों को हिरासत में लेकर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। इधर प्रशासन का दावा है कि कार्रवाई केवल गैर-कानूनी कृत्यों में शामिल लोगों पर की जा रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में फिर गोलीबारी, ईरान ने मालवाहक जहाज पर पर किया भीषण हमला

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के 20 फीसदी तेल कारोबार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर से फायरिंग हुई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज 'एवर लवली' को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है, जब ईरान और अमेरिका दोनों ही एक नाजुक समझौते को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस तरह से एक मालवाहक जहाज पर ईरान द्वारा किया गया हमला शांति के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि आईआरजीसी ने मालवाहक जहाज पर हमला किया है। फिलहाल इस हमले को लेकर अमेरिकी सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी तरफ ईरान की इस्लामिक सरकार ने भी इस पर कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब समझौते के बाद कुछ समय पहले ही ईरान ने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना होर्मुज से निकलने वाले जहाजों के ऊपर कार्रवाई की जा सकती है।

इस हमले की ज्यादा जानकारी देते हुए ब्रिटेन की नेवी ने बताया कि ओमान के तट के पास मालवाहक जहाज से एक प्रोजेक्टाइल टकराने की जानकारी मिली है। इस महले में जहाज का कंट्रोल रूम तबाह हो गया है। हालांकि अभी तक किसी की जान जाने की जानकारी नहीं मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच भले ही शांति समझौता हो गया हो, लेकिन भरोसे की कमी अभी भी साफ तौर पर नजर आ रही है। ईरान की तरफ से इस जहाज पर किए जाने के बाद अब अमेरिका की तरफ से कैसा रिएक्शन आता है, यह देखना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि शांति समझौते के बाद होर्मुज से लगातार तेल सप्लाई हो रहा है और जहाजों के लिए खतरा भी खत्म हो गया है। लेकिन इस एक हमले ने ट्रंप के शांति समझौते और उनके शांति वाले दावे की पोल खोल दी है।

ईरान अपने दशकों पुराने अमेरिकी हमले के डर का सामना कर चुका है। इस हमले में उसे भले ही बहुत कुछ गवाना पड़ा हो, लेकिन साथ में एक चीज हासिल भी हुई है। और वह है होर्मुज के ऊपर पूरा कंट्रोल। राष्ट्रपति ट्रंप चाहे कुछ भी कहें, लेकिन सच्चाई तो यही है कि ईरान युद्ध के पहले होर्मुज पर ज्यादा ध्यान नहीं देता था, लेकिन अब वह इसे अपने हाथ में रखकर दुनिया से अपनी बात मनवाने की ताकत रखता है। यह हमला इसी बात का उदाहरण है। शांति समझौते के बाद बाद ट्रंप होर्मुज के खुलने का ऐलान कर रहे थे, वहीं तेहरान की तरफ से चेतावनी जारी की गई थी कि होर्मुज से वही जहाज सुरक्षित निकल सकते हैं, जो तेहरान के बताए अनुसार चलेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन पर हमला किया जा सकता है। अब सिंगापुर के जहाज पर हमला करके ईरान ने अपनी मंशा साफ कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि उनका प्रशासन ईरान की मुक्त की गई संपत्तियों का उपयोग अमेरिकी कृषि उत्पादों को खरीदने के लिए करेगा। लेकिन ईरान के संसदीय अध्यक्ष और ईरानी वार्ता दल के एक प्रमुख व्यक्ति मोहम्मद बगेर गालिबफ ने इस दावे को खारिज कर दिया है। गालिबफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा 'अमेरिका झूठा दावा करता है कि हमारी मुक्त संपत्ति से हम उनकी कृषि उपज खरीद लेंगे। दिलचस्प बात है। हम जो फसल काट रहे हैं।

कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की रेप के बाद निर्मम हत्या, 12 संदिग्धों की जांच

कराची , एजेंसी। कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की हत्या का यह दर्दनाक मामला पूरे देश में हलचल मचा रहा है। कराची में एक 3 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या की गई है। दोपहर में घर से बाहर खेलने गई यह मासूम बच्ची उसी शाम एक बोरे में मृत पाई गई। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में बहुत ज्यादा शोक और गहरा गुस्सा फैला हुआ है। बच्ची का शव कराची के मुस्लिमबाद में मुस्तफा मस्जिद के पास उसी की गली में मिला। शव को एक बोरे में बंद करके मासूम बच्ची के घर की गली के मेन गेट पर फेंका गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में हिंसक बलात्कार की पुष्टि भी कर दी है। इस भयानक मामले ने सुरक्षा व्यवस्था और समाज की मानसिकता पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस दिल दहला देने वाले मामले में सबसे शर्मनाक बात यह है कि आरोपी कोई करीबी हो सकता है। पुलिस को गहरा शक है कि इस मासूम बच्ची का गुनाहगार उसका अपना ही कोई करीबी रिश्तेदार है। केस हैंडल करने वाले डॉ. सैयद ने इसे अपने मेडिकल करियर का सबसे डरावना मामला बताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ ऐसे अपराध हमेशा ही बेहद डरावने और बहुत परेशान करने वाले होते हैं।

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जावेद आलम ओधो ने इस घटना की तुरंत जांच के कड़े आदेश दिए हैं। उन्होंने इस जघन्य अपराध की गहराई से जांच के लिए एक बहुत ही हाई-लेवल टीम का गठन किया है। यह टीम कराची के ईस्ट जोन के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल की अध्यक्षता में अपनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधिकारी बहुत तेजी से सारे सबूत जुटाने और असली अपराधियों को जल्द पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और इलाके से कुल 12 संदिग्धों के डीएनए सैंपल जांच के लिए इकट्ठा किए हैं। इन 12 संदिग्ध लोगों में से कई इस मासूम बच्ची के अपने सगे और करीबी रिश्तेदार ही बताए जा रहे हैं। स्पेशल ब्रांच और लोकल मुखबिरों की गुप्त रिपोर्ट के आधार पर पुलिस बहुत गंभीरता से अपनी जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस का खास फोकस केवल 3 संदिग्धों पर है जो इस बच्ची के अपने करीबी रिश्तेदार हैं।

आईजीपी ओधो ने बिल्कुल स्पष्ट कहा है कि इस भयानक अपराध में शामिल लोग किसी माफी के हकदार नहीं हैं। उन्होंने पक्का आश्वासन दिया है कि पकड़े जाने पर इन सभी दरिंदों के खिलाफ बेहद कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह दर्दनाक घटना दिखाती है कि आज छोटे बच्चों के लिए उनके अपने घर के आस-पास भी कितना ज्यादा खतरा है। स्थानीय लोग इस घटना के बाद बहुत डरे हुए हैं और सभी आरोपियों को जल्द फांसी देने की मांग कर रहे हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह बातचीत फिर शुरू होने की उम्मीद

वाशिंगटन , एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अगले सप्ताह फिर से शुरू होने की उम्मीद है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि सभी पक्ष बातचीत के लिए तैयार हैं और प्रक्रिया जारी है। अमेरिका और ईरान ने पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

पाकिस्तान ने 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए : इस सप्ताह की शुरुआत में मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान और कतर की मौजूदगी में दोनों देशों ने स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में बातचीत की थी। पाकिस्तान ने इस समझौता ज्ञापन पर 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद दोनों पक्ष 60 दिनों में अंतिम शांति समझौते की दिशा में एक रूपरेखा पर सहमत हुए। अंद्राबी के हवाले से जारी बयान में बताया गया कि बातचीत जारी है। मेरा मानना है कि बातचीत अगले सप्ताह, संभवतः मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, 22 जून की बातचीत के लिए हमारा प्रतिनिधिमंडल बर्गेनस्टॉक में मौजूद था। जहां तक मैं जानता हूं, जब अगले सप्ताह बातचीत फिर से शुरू होगी, तब भी हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहेगा। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना एक सकारात्मक घटनाक्रम है। अमेरिका और ईरान ने हालांकि अब तक बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

पश्चिम एशिया में तनाव में एक के बाद एक आ रहे अड़ंगों के बीच और एक स्थायी समाधान खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हाई-लेवल डिप्लोमेसी शुरू हो गई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' (҂×द्धश्ह्य) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (रूश्) के तहत पहले दौर की तकनीकी बातचीत संपन्न हो गई है। इस दौरान लेबनान में सीजफायर बनाए रखने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को खुला रखने और संभावित परमाणु समझौते के प्रमुख पहलुओं पर गहन चर्चा हुई। बातचीत से जुड़े एक अमेरिकी राजनयिक के हवाले से बताया गया है कि वार्ता रविवार सुबह शुरू हुई और पूरे दिन कई प्रारूपों में चलती रही। चर्चा का एक मुख्य बिंदु लेबनान की स्थिति रही, जहां देश के दक्षिणी हिस्से पर इजरायली हमलों के बीच तनाव कम करने के तंत्र और सीजफायर पर बातचीत केंद्रित थी।

अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए ईरान के बाजार पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर, बोले- 'तेहरान के साथ बातचीत जारी'

वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धविराम के बाद ईरान के कृषि बाजार पर अमेरिका की नजर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि ईरान अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए एक नया बाजार बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद तेहरान के साथ बातचीत कर रहा है। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त राहत राशि की भी घोषणा की। व्हाइट हाउस में किसानों के सम्मान में आयोजित डिनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन ईरान को कृषि निर्यात बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस से पिछली नीतियों से प्रभावित उत्पादकों के लिए नई वित्तीय सहायता को मंजूरी देने को भी कहा। ट्रंप ने कहा, 'हमने शुरुआत कर दी है और अब एक नया बाजार सामने आ रहा है। उसका नाम है ईरान।' ईरान को अमेरिकी कृषि उत्पादों का संभावित खरीदार बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'उन्हें भोजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हम उनके कुछ पैसे लेंगे और उन्हें खर्च करके बड़ी मात्रा में गेहूं, सोयाबीन और मक्का खरीदेंगे। यह प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होने वाली है। यह बहुत बड़े पैमाने पर होगी।

इससे पहले, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी अपने बयान में कहा था कि ईरान को अमेरिका कृषि उत्पाद खरीदने के लिए फ्रीज संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी व्यवस्था की पुष्टि नहीं की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस से किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह फंड पिछली सरकार के नियमों के कारण हुए नुकसान की भरपाई उत्पादकों को करेगा। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस से एक पूरक वित्तीय सहायता विधेयक पारित करने का आग्रह किया, जिससे विशेष फसलों के लिए 11 अरब

डॉलर की राहत और बेहतरीन कृषि उत्पादकों को बाइडेन प्रशासन के खराब नियमों और कानूनों के कारण हुए नुकसान से उबरने में मदद मिल सके।

ट्रंप ने कहा कि कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस सहायता के वितरण की देखरेख करेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने किसानों को राहत के तौर पर 11 अरब डॉलर का भुगतान करने जा रहे हैं।' इस दौरान, राष्ट्रपति ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार किया है। उन्होंने यूरोप में डेयरी निर्यात के लिए बेहतर पहुंच, 25 से अधिक सालों के बाद अमेरिकी बीफ आयात के लिए ऑस्ट्रेलिया की मंजूरी और अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने के चीन के वादे का जिक्र किया। उन्होंने किसानों के हित में उठाए गए घरेलू कदमों का भी जिक्र किया, जिनमें एस्टेट टैक्स की सीमा बढ़ाना, खेती के उपकरणों पर असर डालने वाले इलेक्ट्रिक वाहन के फेडरल नियम को खत्म करना, सालभर ई15 फ्यूल की बिक्री की इजाजत देना और पर्यावरण नियम 'वॉटर्स ऑफ द यूएस' को वापस लेना शामिल है।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ प्रशासन की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया और कहा कि इससे बातचीत में वाशिंगटन की स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, 'हमें यू-टर्न लेना पड़ा। हमें ईरान की ओर बढ़ना होगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके पास परमाणु हथियार होगा।' व्हाइट हाउस के इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, आंतरिक मंत्री डग बर्गम, स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज, प्रमुख कृषि राज्यों के गवर्नर, सीनेटर और प्रतिनिधि शामिल थे।

डिनर में मेहमानों को कृषि उत्पादों से बने व्यंजन परोसे गए। उन्हें तोहफे के तौर पर ऑर्गेनिक गार्डन के बीज और टमाटर का जैम दिया गया। बता दें कि अमेरिका लंबे समय से दुनिया के सबसे बड़े गेहूं, मक्का और सोयाबीन निर्यातकों में शामिल रहा है। अमेरिकी कृषि निर्यात को अलग-अलग सरकारों ने व्यापार, आर्थिक और विदेश नीति के महत्वपूर्ण साधन के रूप में भी इस्तेमाल किया है।

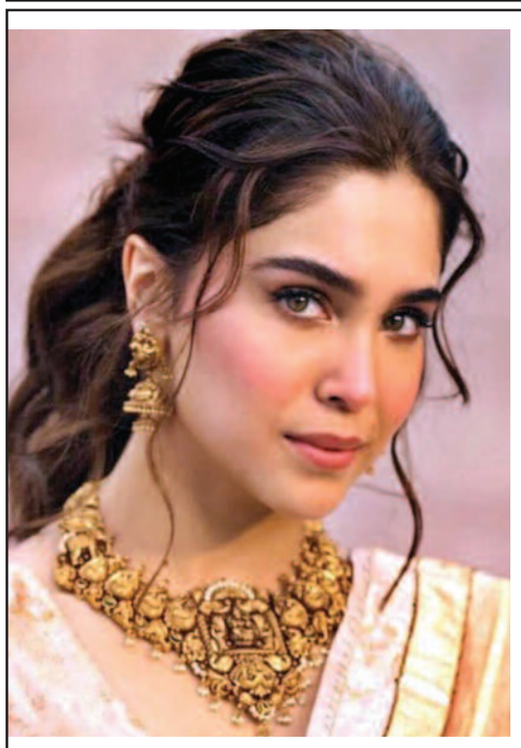

अपनी फिल्म को मिले प्यार पर आभार जताया शरवरी वाघ ने

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने हाल ही में अपनी नवीनतम फिल्म मैं वापस आऊंगा को दर्शकों से मिल रहे असाधारण प्यार और समर्थन के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने एक भावुक नोट में इस बात पर जोर दिया कि हर कलाकार का यह सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो केवल सिनेमाघरों तक सीमित न रहे बल्कि दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़े। शरवरी का मानना है कि इस फिल्म ने उनके लिए इस सपने को साकार किया है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के प्रति दर्शकों की विभिन्न प्रतिक्रियाएं, भावुक समीक्षाएं, सिनेमाघरों के दृश्य और साथ ही फिल्म के लोकप्रिय गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे। ये पोस्ट इस बात का प्रमाण थे कि फिल्म ने दर्शकों के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव बना लिया है।

अपने पोस्ट के कैप्शन में शरवरी ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यारज मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं। उनकी इन पंक्तियों से फिल्म के साथ उनके व्यक्तिगत जुड़ाव और दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से मिल रही संतुष्टि का पता चलता है। उन्होंने आगे कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने 'मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म में शरवरी के सह-कलाकार वेदांग रैना ने भी उनके पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया। यह फिल्म इम्तियाज के निर्देशन में बनी है और एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें नसीरूद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ जैसे दिग्गज कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मैं वापस आऊंगा की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछड़ने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे मानवीय विषयों को संवेदनशील रूप से सामने लाती है। यह फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की मार्मिक कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण गहरे रूप से प्रभावित होता है। कहानी को नसीरूद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाया गया है, जो इसे और भी भावुक बना देता है। यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को एक बार फिर साथ लाती है, जिसमें गीतकार इरशाद कामिल ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सामंथा ने की अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा

अभिनेत्री सामंथा प्रभु, जो इन दिनों अपनी फिल्म मां इंटी बंगारम की सफलता का आनंद ले रही हैं, ने अपने प्रशंसकों के साथ एक बड़ी खुशखबरी साझा की है। 39 वर्ष की उम्र में मां बनने जा रही सामंथा ने अपने पति राज निदिमोरू के साथ एक थैंक्स मीट में इस बात का खुलासा किया। पिछले कुछ समय से सामंथा की ऐसी वीडियोज़ वायरल हो रही थीं, जिनमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था, जिसके बाद उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अब उन्होंने खुद इस बात की पुष्टि कर दी है। खुशी का इजहार करते हुए सामंथा ने मंच पर हंसते हुए कहा,

अब मैं मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं। इस घोषणा के बाद वहां मौजूद सभी लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं और सोशल मीडिया पर भी फैंस का बधाई संदेशों से भर गया। वीडियो में उनका प्रेग्नेंसी ग्लो साफ दिखाई दे रहा है। सामंथा ने 1 दिसंबर 2025 को निर्माता राज निदिमोरू के साथ कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादे समारोह में शादी की थी। नागा चैतन्य से अलग होने के बाद यह उनकी दूसरी शादी थी। उनके इस ऐलान से उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं और इस नए सफर के लिए उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

एग्स फ्रीज कराने पर आकांक्षा रंजन का खुलासा

माता-पिता को मनाने की जरूरत नहीं पड़ी

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन इन दिनों अपने एक अत्यंत निजी और महत्वपूर्ण फैसले, एग्स फ्रीज कराने को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार में इस संवेदनशील विषय पर खुलकर बात की और बताया कि जब उन्होंने यह फैसला लिया, तब उनके माता-पिता की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी। आकांक्षा ने स्पष्ट किया कि उन्हें अपने माता-पिता को इस फैसले के लिए मनाने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि वे उनकी समझदारी और निर्णयों पर पूरा भरोसा रखते हैं। आकांक्षा रंजन ने बताया, अब मैं ऐसी उम्र में हूं, जहां मेरे माता-पिता को मुझ पर पूरा भरोसा है। वह जानते हैं कि मैं कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लेती। पहले मैं हर बात को अच्छी तरह समझती हूं और फिर फैसला करती हूं। यही वजह है कि मेरे परिवार ने मेरे फैसले पर कभी सवाल नहीं किए, बल्कि हमेशा मेरा साथ दिया। यह विश्वास आकांक्षा के लिए एक बड़ी राहत और समर्थन का स्रोत रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके पिता को शुरुआत में इस पूरी प्रक्रिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। वह ऐसे समय और माहौल में बड़े हुए हैं, जहां इस तरह के विषयों पर आमतौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी। इसलिए आकांक्षा को पहले उन्हें विस्तार से समझाना पड़ा कि एग्स फ्रीज कराना क्या होता है, इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है और यह प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उनकी बातों को बहुत ध्यान से सुना और समझने की पूरी कोशिश की। आकांक्षा ने बताया, मेरे पिता ने कभी मेरे फैसले का विरोध नहीं किया। उन्हें बस इस बारे में जानकारी चाहिए थी। जब मैंने उन्हें विस्तार से समझाया कि मैं ऐसा क्यों करना चाहती हूं और इसके पीछे क्या वजह है, तो उन्होंने मेरा समर्थन किया। हालांकि, उनकी मां की चिंता कुछ अलग थी। आकांक्षा ने कहा, मां को मेरी सेहत की चिंता थी, क्योंकि इस प्रक्रिया में मेडिकल इलाज और कुछ जरूरी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। ऐसे में मां होने के नाते उन्हें अपनी बेटी की सेहत को लेकर स्वाभाविक रूप से फिक्र थी। लेकिन जब आकांक्षा ने उन्हें यह समझाया कि वह भविष्य को ध्यान में रखकर यह फैसला ले रही हैं, तो उनकी मां भी उनकी बात को समझ गईं और उन्हें अपना पूरा समर्थन दिया। मां का यह भावनात्मक और व्यावहारिक समर्थन आकांक्षा के लिए बेहद खास और मूल्यवान रहा है।

आकांक्षा ने इस बात पर जोर दिया कि जब परिवार आपके साथ खड़ा हो, तो बड़े से बड़ा और व्यक्तिगत फैसला लेना भी बहुत आसान हो जाता है। उन्होंने अपने माता-पिता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कभी उन पर अपनी सोच नहीं थोपी, बल्कि हमेशा उनकी बात सुनी और उन पर भरोसा किया। इसी वजह से आकांक्षा को इस फैसले को लेकर किसी भी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ, जिससे उन्हें आत्मविश्वास और शांति के साथ आगे बढ़ने में मदद मिली।

असली पहचान आत्मविश्वास और मूल्यों से आती है : शिल्पा शिंदे

- धूम्रपान या पहनावे से नहीं

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में फेमिनिज्म और आधुनिकता की बदलती अवधारणाओं पर अपनी राय साझा की, जो इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों तक बहस का एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में शिल्पा ने कहा कि उनके लिए सच्ची पहचान बाहरी दिखावे, कपड़ों या जीवनशैली से कहीं अधिक गहरी है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास, मजबूत मूल्यों और खुद को गहराई से समझने की क्षमता से उपजी है। उनका मानना है कि कोई महिला क्या पहनती है या कैसे दिखती है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि वह अपने जीवन और अपने विचारों को कितनी

स्पष्टता और ईमानदारी से जीती है। इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने स्वीकार किया कि उनकी सोच कुछ हद तक पारंपरिक है। उन्होंने बेबाकी से कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धूम्रपान या किसी विशेष जीवनशैली को आधुनिकता का पैमाना मानना गलत है। उनके अनुसार, कोई आदत किसी व्यक्ति के आधुनिक होने का प्रमाण नहीं हो सकती। शिल्पा ने बताया कि उनके लिए आधुनिकता का अर्थ कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत है। वह मानती हैं कि सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या तथाकथित आधुनिक कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता। असली बोल्डनेस व्यक्ति के विचारों में मजबूती, अपने फैसलों को समझने की क्षमता और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में निहित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बाहरी दिखावा और व्यक्ति का असली व्यक्तित्व दो अलग-अलग पहलू हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं। अभिनेत्री ने कपड़ों और सोच के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। एक महिला साड़ी पहनकर भी बेहद आधुनिक और प्रगतिशील सोच रख सकती है, जबकि कोई आधुनिक कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए, शिल्पा के अनुसार, किसी को उसके कपड़ों के आधार पर आंकना बिल्कुल अनुचित है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पसंद बताते हुए कहा कि उन्हें साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा आकर्षित करती हैं, लेकिन यह उनकी अपनी फैशन पसंद है, न कि किसी की सोच का पैमाना। अंत में, शिल्पा शिंदे ने इस बात पर जोर दिया कि एक महिला के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वह स्वयं को पहचाने, अपने मूल्यों को समझे और अपने जीवन को आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ जीए। उनके लिए, यही सच्ची मजबूती और सशक्तिकरण का प्रतीक है।

रश्मिका मंदाना ने पेट डॉग ऑरा और कच्चे आम के साथ साझा किए खुशी के पल

लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के साथ अपने प्यारे पालतू कुत्ते ऑरा के साथ बिताए कुछ आनंदमय और निजी पलों को साझा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर ऑरा के साथ कई दिल छू लेने वाले वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने तुरंत सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। पोस्ट के पहले वीडियो में, रश्मिका को अपने चार पैरों वाले प्यारे दोस्त ऑरा पर जी भर कर प्यार बरसाते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो उनके गहरे बंधन और स्नेह को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऑरा उनकी जिंदगी का कितना महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुष्पा और एनिमल जैसी सफल फिल्मों की इस अभिनेत्री ने इसके बाद अपनी कुछ खूबसूरत सेल्फी भी साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कच्चे आम के टुकड़ों की कुछ स्वादिष्ट तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनका उन्होंने उस दिन आनंद लिया था। इन निजी पलों को साझा करते हुए, रश्मिका ने दिखाया कि वह अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद छोटे-छोटे सुखों और अपने पालतू जानवर के साथ समय बिताने का कितना महत्व देती हैं।

एक और तस्वीर में, ऑरा को रश्मिका के बगल में शांति से बैठे हुए और प्यार भरी नज़रों से उन्हें देखते हुए देखा गया। यह दृश्य उनके

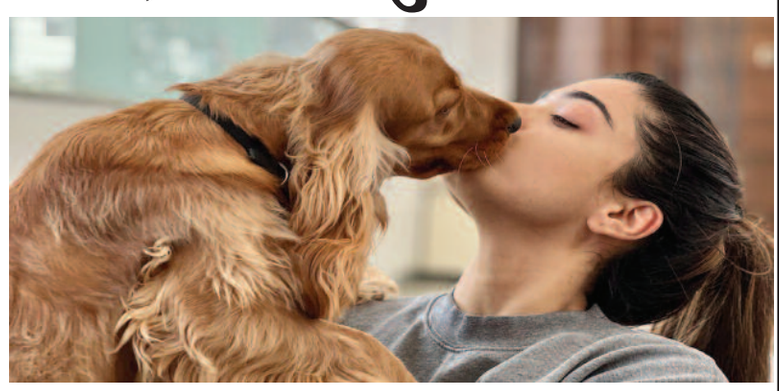

बीच के सौहार्दपूर्ण रिश्ते को दर्शाता है। पोस्ट के आखिरी वीडियो क्लिप में, द गर्लफ्रेंड की अभिनेत्री रश्मिका को ऑरा एक गहरी और जिज्ञासु नज़र से देख रहा था, जिसे देखकर उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में लिखा, ये सभी लड़कियां एक जैसी दिखती हैं- लंबे बाल, बड़ी आंखें, लंबी नाक। यह मजेदार टिप्पणी प्रशंसकों के बीच खूब पसंद की गई। इन सभी तस्वीरों और वीडियो के साथ, रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, बस मैं, मेरी प्यारी ऑरा, कच्चे आम और खुशी के छोटे-छोटे पल। यह कैप्शन उनके जीवन की सादगी और खुशियों को दर्शाता है, जो उन्हें अपने पालतू जानवर और प्रकृति के करीब रहने से मिलती हैं। जो लोग नहीं जानते, रश्मिका एक प्यारी कॉकर स्पैनियल, ऑरा की मालकिन हैं, और वह अक्सर सोशल मीडिया पर उसके साथ अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

काम के मोर्चे पर, रश्मिका मंदाना अगली बार रवींद्र पुल्ले की आगामी फिल्म मैसा में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म निर्माता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया कि फिल्म के एक गाने की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। उन्होंने गाने के सेट की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मैसा गाने की शूटिंग पूरी हो गई है। रश्मिका पर फिल्माए गए इस गाने को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर ब्रिंदा ने कोरियोग्राफ किया है। इससे पहले, मई में रश्मिका ने खुद खुलासा किया था कि उन्होंने केरल में फिल्म मैसा का एक लंबा शेड्यूल पूरा कर लिया है।

तमन्ना ने बताई साउथ और बॉलीवुड की भिन्नता

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने अनुभवों के आधार पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) और साउथ सिनेमा के कामकाज के तरीकों के बीच के बड़े अंतर को स्पष्ट किया है। उन्होंने दोनों सिनेमाई दुनिया के विविध पहलुओं को उजागर किया, खासकर कलाकारों के लिए उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में। तमन्ना के अनुसार, हिंदी सिनेमा में मुख्य रूप से दो तरह के कलाकारों के लिए जगह होती है, जो बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। पहला वर्ग कलात्मक अभिनय को चुनने वाले अभिनेताओं का है। ये वो कलाकार होते हैं जो गंभीर, संजीदा और आर्टिस्टिक किरदारों को तरजीह देते हैं। दूसरा वर्ग वर्सटाइल कलाकार का है, और तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड की सबसे अच्छी बात यह है कि यह कला और ग्लैमर दोनों को एक साथ अपनाने का मौका देता है। जो अभिनेता इन दोनों ही मोर्चों पर खुद को बखूबी साबित कर लेता है, वही सही मायनों में इंडस्ट्री का सुपरस्टार बनता है। इस प्रकार, बॉलीवुड अभिनेताओं को एक व्यापक कैनवास प्रदान करता है। जहां बॉलीवुड अपनी विविधता और संतुलन के लिए जाना जाता है, वहीं तमन्ना ने पहले साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं के चित्रण में सकारात्मकता की कमी और पुरुषों के अधिक प्रभाव का भी जिक्र किया था, जो इन दोनों सिनेमाई उद्योगों की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण भिन्नता को दर्शाता है।

राकेश बेदी और धुरंधर के पिंडा ने जिम में बहाया पसीना, साझा किए मजेदार पल

बॉलीवुड के दिग्गज और बहुमुखी अभिनेता राकेश बेदी ने हाल ही में अपने सह-कलाकार उदयबीर संधू से मुलाकात की, जिन्हें फिल्म धुरंधर में पिंडा के किरदार से जाना जाता है। दोनों कलाकारों ने हैदराबाद के एक जिम में साथ मिलकर पसीना बहाया और इस दौरान कुछ मजेदार पल अपने प्रशंसकों के साथ साझा किए। राकेश बेदी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और उदयबीर संधू फिटनेस सेशन के दौरान बातचीत करते और हंसी-मजाक करते हुए नजर आ रहे हैं। युवा अभिनेता उदयबीर से दोबारा मिलने की खुशी जाहिर करते हुए राकेश बेदी वीडियो में कहते सुनाई दिए, हाय दोस्तों, और हाय, चाय विद राकेश बेदी में आपका स्वागत है। मैं फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद में हूं और हमेशा की तरह जिम में हूं। आप जानते ही हैं कि मैं स्वास्थ्य के प्रति कितना जागरूक हूं। यह बताते हुए राकेश बेदी ने अपने फिटनेस के प्रति समर्पण को दर्शाया। कैमरा उदयबीर की ओर घुमाते हुए उन्होंने आगे कहा, और मेरे साथ एक और धुरंधर है। हम दोनों यहां कसरत कर रहे हैं। यह एक तरह से

उनकी आने वाली फिल्म धुरंधर और उनके ऑन-स्क्रीन रिश्ते को भी संदर्भित करता है।

उदयबीर संधू ने बीच में बात को संभालते हुए कहा, सर बहुत फिट दिख रहे हैं और आज उन्होंने जितना वजन उठाया है, हम सब तो उनके सामने फीके पड़ गए हैं। उदयबीर की इस टिप्पणी पर राकेश बेदी ने अपने जाने-पहचाने चुटीले और हास्यपूर्ण अंदाज में जवाब दिया, मैं वजन नहीं उठा रहा, मैं तो बस अपना दबदबा दिखा रहा हूं। उनका यह जवाब दोनों के बीच की मजेदार केमिस्ट्री और राकेश बेदी की हाजिरजवाबी को दर्शाता है। इस मजेदार वीडियो का अंत उदयबीर के दिग्गज अभिनेता को लव यू सर, लव यू कहने के साथ हुआ, जिससे उनके आपसी सम्मान और स्नेह का पता चलता है। इस पोस्ट के कैप्शन में राकेश बेदी ने लिखा, हैदराबाद में जिम का आनंद ले रहा हूं। यह दर्शाता है कि काम के साथ-साथ वे अपनी फिटनेस और सह-कलाकारों के साथ मेलजोल का भी पूरा आनंद ले रहे हैं। राकेश बेदी का सोशल मीडिया फीड ऐसे ही मजेदार पलों और अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत से भरा पड़ा है।

यह पहला मौका नहीं है जब राकेश बेदी ने अपने सोशल मीडिया पर ऐसा कोई रोचक वीडियो साझा किया हो। मई में, राकेश बेदी ने पंजाबी गायक सुखबीर के साथ अपने मशहूर गाने बच्चा है तू मेरा की एक झलक साझा की थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, सभी का स्वागत है हैलो चाय विद राकेश बेदी में। मैं एक फेस्टिवल के लिए गोवा में हूं। कल मेरा यहां एक स्पीकर सेशन है, लेकिन मुझे एक ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिला जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं। वह दिल से बहुत अच्छा गाते हैं, और वह कोई और नहीं बल्कि सुखबीर हैं। इसके बाद, उन्होंने सुखबीर को फ्रेम में लाया, जो गा रहा था, 'दिल देना, दिल लेना, ऐ सौदा खरा खराज्हे सौदा खरा खराज।

संक्षिप्त समाचार

शतरंज प्रतियोगिता संपन्न, रिव्या, ध्रुव, अदविका और श्रेयांश ने जीते खिताब

लालपुर। भारतीयम स्कूल में देवभूमि चेस एसोसिएशन की तरफ से आयोजित 20वीं राज्य स्तरीय चेस प्रतियोगिता संपन्न हो गई है। फाइनल मैचों में विभिन्न वर्गों के विजेता घोषित किए गए। रिव्या जोशी, ध्रुव विश्नोई, अदविका कुमार और श्रेयांश साहू ने अपने-अपने वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंडर-13 बालिका वर्ग में नैनीताल की रिव्या जोशी पहले, ऊधम सिंह नगर की समक्ता गुप्ता दूसरे स्थान पर रहीं। अंडर-13 ओपन वर्ग में हरिद्वार के ध्रुव विश्नोई प्रथम, ऊधम सिंह नगर के अभिमन्यु सिंघल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 जूनियर बालिका वर्ग में देहरादून की अदविका विजेता बनीं, हरिद्वार की अमिशु गुप्ता ने दूसरा स्थान पाया। अंडर-19 जूनियर ओपन वर्ग में ऊधम सिंह नगर के श्रेयांश साहू प्रथम, देहरादून के परीक्षित नौटियाल दूसरे स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार ने विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शतरंज से बच्चों का शारीरिक व बौद्धिक विकास होता है। देवभूमि चेस एसोसिएशन के महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि विजयी खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता का संचालन चीफ ऑर्बिटर मृत्युंजय सिंह, डिप्टी चीफ ऑर्बिटर रुपेश कुमार, ऑर्बिटर अवि सिंह और नीरज साह के निर्देशन में किया गया। इस दौरान देवभूमि चेस एसोसिएशन की प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ. सीमा सिंह, भारतीयम स्कूल के चेयरमैन भरत गोयल, प्रधानाचार्य रश्मि आनंद, दिलीप साहू, पवन सिंह आदि उपस्थित रहे।

जंगलात ने पकड़ी सागौन की लकड़ी

रुद्रपुर/बाजपुर। वन विभाग की टीम ने यूपी क्षेत्र में दबिश देकर गिल्टे के रूप में सागौन (टीक) प्रजाति की लकड़ी बरामद की। शुक्रवार को टांडा रेंज के वन क्षेत्राधिकारी रूपनारायण गौतम के नेतृत्व में वन विभाग टीम ने यूपी के स्वार रामपुर में नन्हे के फड़ पर दबिश दी। मौके से सागौन टीक प्रजाति के गिल्टे बरामद किए। रेंजर गौतम ने बताया कि बरामद सागौन लकड़ी का वास्तविक कटान स्थल और स्रोत का पता लगाने के लिए पड़ताल की गई थी। उसके बाद छापा मारकर सागौन की लकड़ी पकड़ी गई है।

नीलकंठ यात्रा मार्ग पर खुद उतरे कमिश्नर, तैयारियों का लिया जायजा

ऋषिकेश। कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर गढ़वाल मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने नीलकंठ महादेव मंदिर पैदल यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से किए जा रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

मंडलायुक्त ने पैदल यात्रा मार्ग, मंदिर परिसर के अलावा यात्रा मार्ग पर पेयजल, शौचालय, पार्किंग, सोलर लाइट, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, आपदा प्रबंधन तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 15 जुलाई से पहले सभी निर्माण और मरम्मत के काम पूरे कर लिए जाएं। जिला पंचायत को नियमित सफाई सुनिश्चित करने, वन विभाग को पैदल मार्ग पर स्वीकृत कार्यों में तेजी लाने, स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त चिकित्सा दल, एंबुलेंस, दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर आयुक्त गढ़वाल उत्तम सिंह चौहान, एसडीएम चतर सिंह चौहान, ईई जल संस्थान अभिषेक वर्मा, प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मणझूला सूर्यभूषण नेगी, साहब सिंह सैनी, चित्राजंलि नेगी, वैभव जोशी आदि उपस्थित रहे।

बदरीनाथ में कलाकारों की भजन प्रस्तुतियों ने किया मंत्रमुग्ध

बदरीनाथ। बदरीनाथ मंदिर प्रांगण में शनिवार को सांस्कृतिक व भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें नारायण आर्ट निर्भर भारत के कलाकारों ने शानदार भजनों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को आनंदित कर दिया।

शनिवार को आयोजित इस भक्ति कार्यक्रम में विपुल मेहता, सोनम, हरिओम शरण और भूमेश पंवार ने विभिन्न भजनों की प्रस्तुतियां दी। इसमें 'श्रीमन नारायण नारायण हरि हरि...' 'नाम तुम्हारा बदरीविशाल..'राधिका गोरी से' 'मेरे सर पर रख दो बदरी केदार का हाथ' सहित कई शानदार भजन शामिल रहे। भजन कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर बदरीविशाल के जयघोष से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम के दौरान बामणी गांव की महिला मंगल दल टीम ने भी अपनी सहभागिता निभाई। इससे पहले नंदा चौक बामणी गांव में भी भजन संध्या का आयोजन किया गया था।

श्यामा प्रसाद के विचारों को लेकर देश में कार्य कर रही भाजपा

गोपेश्वर। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान व संस्मरण दिवस पर भारतीय जनता पार्टी चमोली की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को लेकर पार्टी पूरे देश में काम कर रही है। जिला मुख्यालय गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ऋषि प्रसाद सती ने कहा कि मुखर्जी की विद्वता के कारण विपक्ष में होने के बावजूद उन्हें नेहरू मंत्रिमंडल में स्थान दिया गया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण को लेकर अनेक कार्य किए। भाजपा के सह प्रभारी महावीर पंवार ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 21 अक्तूबर 1951 को जनसंघ की स्थापना की और जनसंघ के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि मुखर्जी के सपनों को आज बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने साकार किया है। इस मौके पर कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉ. हिमानी वैष्णव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी, कर्णप्रयाग नगर पालिका अध्यक्ष गणेश शाह आदि मौजूद रहे।

बोरियों में मिले आधार, पैन कार्ड और डाक

थराली। तलवाड़ी क्षेत्र के तुंगेश्वर ग्रामीण डाकघर में डाक वितरण में भारी लापरवाही का मामला प्रकाश में आया है। एक डाक वितरक के निजी आवास से आधार, पैन और एटीएम कार्ड सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज बोरियों में भरे मिले। संबंधित व्यक्ति ने इसकी शिकायत डाक विभाग के उच्चाधिकारियों से की।

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब स्थानीय विनोद पांडे की बेटी का आधार कार्ड सड़क पर मिला। पांडे की ओर से जब इसकी पड़ताल की गई तो डाक वितरक के घर से कई बोरियों में दस्तावेज बरामद हुए। इनमें सरकारी नोटिस और अन्य पंजीकृत डाक भी शामिल थीं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि बरामद डाक में वर्ष 2025 के दस्तावेज भी हैं। स्थानीय विनोद पांडे ने मामले की शिकायत डाक विभाग के उच्चाधिकारियों से की। उन्होंने कहा कि समय पर डाक न मिलने से लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

इंटर-बैच प्रतियोगिता का सफल आयोजन

कोटद्वार। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आईटीडीए कैल्क, कोटद्वार, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज, कोटद्वार एवं बुरांश कोचिंग के संयुक्त तत्वावधान में भव्य इंटर-बैच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में कई विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर शतरंज, निबंध लेखन, कैरम, हस्तकला (हैंड क्राफ्ट), सामान्य ज्ञान, चित्रकला, मेहंदी एवं रंगोली सहित कुल आठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में आईटीडीए कैल्क के निदेशक डॉ. नंद किशोर जखमोला, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज की निदेशक श्रीमती अनीता जखमोला तथा बुरांश कोचिंग के निदेशक व पीजी कॉलेज कोटद्वार में मासकॉम्नीकेशन के विजीटिंग प्रवक्ता श्री अरविंद दुदपुड़ी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अतिथियों ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के शिक्षकगण

स्वाति कंडवाल, सौरभ घनसेला, नितेश रावत, भारत सिंह रावत, अंशिका डंगवाल, कशिश, रजनी रावत एवं मोहित ठाकुर का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन सौरभ घनसेला द्वारा किया गया, जिसे उपस्थित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने सराहा। प्रतियोगिता के अंत में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में आरव बिष्ट ने प्रथम, निहारिका ने द्वितीय तथा शिवांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शतरंज प्रतियोगिता में अनुभव ने प्रथम, हितेश ने द्वितीय तथा सौरभ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कैरम प्रतियोगिता में किरन ने प्रथम, रश्मि ने द्वितीय तथा जिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में श्वेता ने प्रथम एवं आयुषी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में रश्मि ने प्रथम, पल्लवी ने द्वितीय तथा आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में स्वर्णिम ने प्रथम, आयुषी ने द्वितीय तथा हिमानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में कुमकुम ने प्रथम, योगेश ने द्वितीय तथा अंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हस्तकला प्रतियोगिता में तृप्ति ने प्रथम, शिवानी ने द्वितीय तथा सोनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंत में अतिथियों द्वारा सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

रिक्त पदों को पुनर्जीवित कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की मांग

नई टिहरी। अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी बैठक में अशासकीय विद्यालयों में रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जल्द शुरू करने, रिक्त पदों को पुनर्जीवित करने, प्रोन्नत वेतनमान और पुरानी पेंशन का लाभ देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। शिक्षकों ने राजकीय विद्यालयों की तर्ज पर अशासकीय विद्यालयों में भी समान सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। संगठन के जिला अध्यक्ष शिव सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। प्रांतीय संरक्षक चिंतामणि सेमवाल, राजेंद्र प्रसाद कुकरेती ने संगठन को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन की एकजुटता जरूरी है। प्रांतीय महामंत्री महादेव मैठाणी ने कहा कि संगठन के प्रयासों से अशासकीय विद्यालयों के शिक्षक-कर्मचारियों के गोल्डन कार्ड बन चुके हैं। अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में जूनियर हाईस्कूल एवं एलटी संवर्ग में टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, डाउनग्रेड प्रधानाचार्यों को ढाई वर्ष बाद पूर्ण वेतनमान देने की मांग की गई। बैठक में प्रांतीय मंत्री सुनील पैन्यूली, राजेश डंगवाल, श्रीनिवास उनियाल, सुरेश ममगाईं, मधुमती बिंजोला, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद बिजल्वाण, धनंजय रावत, अनुराखी, राजेश बहुगुणा, बिरेंद्र कुड़ियाल, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. विवेकानंद शर्मा, चंद्रभानु सेमवाल आदि मौजूद रहे।

सीएम से वार्ता कराने की जिद पर अड़े अनशनकारी

नई टिहरी। खैट पर्वत पर टिहरी बांध प्रभावितों की लंबित मांगों का समाधान करने की मांग को लेकर सागर भंडारी, गोपीनाथ सिंह रावत 10वें दिन भी भूख हड़ताल पर डटे रहे। घनसाली तहसीलदार हरीश चंद्र जोशी ने उनसे दूरभाष पर वार्ता कर मांगों के संबंध में डीएम से वार्ता करवाने का आश्वासन दिया जिसे दोनों अनशनकारियों ने ठुकरा दिया। उनका कहना है कि टिहरी बांध की रॉयल्टी का लाभ बांध प्रभावित क्षेत्रों को देने, प्रभावित परिवारों को निशुल्क बिजली-पानी उपलब्ध कराने और अन्य मांगों को लेकर उनकी वार्ता मुख्यमंत्री से कराई जाए।

बांध प्रभावितों की मांग शासन स्तर की है। मुख्यमंत्री ही मांगों का समाधान करवा सकते है। टिहरी गढ़वाल जन अधिकारी संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से नही ले रहा है। लंबित मांगों का समाधान न होने तक उन्होंने संघर्ष जारी रखने की चेतावनी दी।

हरियाणा के पर्यटक से मारपीट के आरोपी को मिली जमानत

ऋषिकेश। काले की ढाल में हरियाणा के पर्यटक के साथ मारपीट के आरोपी को प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कंवर अमिंदर सिंह की अदालत ने जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। तीन आरोपियों को पूर्व में जमानत पर रिहा किया जा चुका है।

बीते 20 मई को काले की ढाल पर कुछ असामाजिक तत्वों ने हरियाणा के पर्यटकों के साथ मारपीट की थी। इस दौरान एक पर्यटक को नग्न कर पीटा गया था। मामले में तीन आरोपियों नरेश कश्यप, अशोक थापा व अमित को प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कंवर अमिंदर सिंह की अदालत ने पूर्व में जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे। चौथे आरोपी अर्जुन भारती निवासी कृष्णानगर कॉलोनी आईडीपीएल ने जमानत के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दायर किया था।

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने कहा कि घटना के बाद दोनों घायलों को पुलिस राजकीय उपजिला चिकित्सालय की इमरजेंसी में

चिकित्सकीय परीक्षण के लिए ले गई। लेकिन घायलों का एक्सरे अथवा सीटी स्कैन नहीं कराया गया। घायलों की कोई सप्लीमेंटरी रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं है। आरोपी का नाम प्राथमिकी में नहीं थी विवेचना के दौरान नाम सामने आया। अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए।

भागीरथी नदी का जलस्तर बढ़ने से बहा जीएमवीएन का टिनशेड

उत्तरकाशी। बीती शुक्रवार देर रात में हर्षिल में भागीरथी नदी में बनी झील को चैनालाइज करने के लिए बनाया गया मार्ग नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण बह गया। इससे पूरा पानी आवासीय बस्ती की ओर आने से गढ़वाल मंडल विकास निगम गेस्ट हाउस का एक टिनशेड बह गया। साथ ही हर्षिल थाना भवन सहित नदी से सटे आवासीय भवनों व सेब के बगीचों पर हो रहा भू-कटाव बड़ा खतरा बढ़ गया है। दूसरी ओर सेना कैंप की ओर मिट्टी का कटाव होने के कारण पेड़ गिरकर टूट रहे हैं।

ग्राम प्रधान हर्षिल सुचिता रैतेला, जयवीर नेगी ने बताया कि जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण इस वर्ष हर्षिल के अस्तित्व को खतरा हो गया है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष आई आपदा को 11 माह से अधिक हो गया है लेकिन वहां पर बनी झील को पूरी तरह खोला नहीं गया है।

विभाग की ओर से वहां पर कार्य के नाम पर नदी के बीच में मलबे का टीला एकत्रित कर नदी को चैनालाइज किया गया। साथ ही एक माह पूर्व वहां पर सुरक्षात्मक कार्य शुरू करवाने

के लिए मजदूर तो भेजे गए लेकिन अभी तक किसी प्रकार का कार्य धरातल पर नहीं दिख रहा है। बीती शुक्रवार देर रात को नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण नदी को चैनालाइज करने वाला मलबे का टीला बह गया।

इससे नदी का पूरा पानी आवासीय क्षेत्र की ओर आ गया। इस दौरान जीएमवीएन गेस्ट हाउस का एक टिनशेड बह गया तो अब नदी की तेज धार हर्षिल थाना भवन सहित आसपास के आवासीय भवन व बगीचों में कटाव कर रही है। जयवीर नेगी ने बताया कि दूसरी ओर नदी के जलस्तर बढ़ने के कारण भू-कटाव होने के कारण बड़े-बड़े पेड़ गिर रहे हैं। आने वाली बरसात में यह पेड़ नदी का प्रवाह रोक सकते हैं। इससे पूरे हर्षिल में यह बड़ी आपदा का रूप लेगी। कहा कि अगर जल्द ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होते हैं तो ग्रामीणों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाई गई स्टील पुल की सामग्री

पुरोला। खलाड़ी गांव की छानियों के समीप कमल नदी पर आपदा में क्षतिग्रस्त हुआ पैदल स्टील पुल की सामग्री के अवशेष को डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाया जा सका है। नदी के बीच पड़े पुल के लोहे के कारण हर बरसात में नदी का बहाव प्रभावित हो रहा है जिससे दोनों ओर की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है। इसको लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2010-11 की आपदा में खलाड़ी छानी और चक चंदेली के बीच कमल नदी पर बना पैदल स्टील पुल क्षतिग्रस्त होकर नदी में गिर गया था। इसके बाद से लोनिवि की ओर से पुल के अवशेष नहीं हटाए गए। बरसात के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने पर पुल के लोहे से पानी का बहाव अवरुद्ध होता है और नदी का रुख खेतों की ओर मुड़ जाता है जिससे खलाड़ी, पुजेली, चपटाड़ी, सरमाली और आराकोट क्षेत्र की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है।

काश्तकारों का कहना है कि पिछले डेढ़ दशक में सैकड़ों नाली उपजाऊ भूमि नदी में समा चुकी है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ आजीविका पर भी संकट खड़ा हो गया है। काश्तकार बलदेव रावत, हकुमत रावत और फकीरचंद रावत, रविन्द्र सजवाण, पवन सजवाण ने बताया कि भूमि कटाव और फसलों को हो रहे नुकसान के संबंध में कई बार विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

चेक बाउंस का आरोपी साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त

काशीपुर। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने चेक बाउंस के एक आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। मानपुर निवासी अफसर अली ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में परिवाद प्रस्तुत किया था कि 20 जून 2017 को वहीं के रहने वाले राकेश ने उससे लेबर का भुगतान करने के लिए 25 हजार रुपये उधार लिए थे। राकेश ने यह रकम एक माह के भीतर वापस लौटाने का आश्वासन दिया था लेकिन उसने रकम नहीं लौटाई। तकादा करने पर राकेश ने 25 हजार रुपये का चेक दिया। यह चेक 24

जुलाई, 2017 को बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया। परिवाद पर सुनवाई कर अदालत ने दोनों पक्षों को सुना। एसीजेएम एनआई एक्ट शचि शर्मा ने राकेश को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

तीन दिन से सूखे नल, तिलोथ में गहराया पेयजल संकट

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय से सटे तिलोथ क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगा है। पिछले तीन दिन से पानी की आपूर्ति बंद होने के कारण स्थानीय लोगों को देर रात तक लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। गर्मी के बीच पेयजल के लिए हैंडपंपों और प्राकृतिक स्रोतों पर उमड़ रही भीड़ ने क्षेत्रवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी है। लगातार शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं होने से क्षेत्रवासियों में जल संस्थान के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या तीन स्थित तिलोथ बस्ती में पेयजल संकट के कारण लोग भारी परेशान हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दो-तीन दिनों से नलों में एक बूंद पानी नहीं आया है जिससे पीने के पानी के साथ-साथ घरेलू कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच जल संकट ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। स्थानीय निवासी

काशी गुसाईं, कन्हैया प्रसाद और वार्ड सभासद आदित्य चौहान ने बताया कि क्षेत्र में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद जल संस्थान की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने विभाग से जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल करने और वैकल्पिक व्यवस्था के तहत टैंकरों से पानी उपलब्ध कराने की मांग की है।

उधर, इस संबंध में जल संस्थान के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन कॉल रिसीव नहीं किया। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

नदी में नहाते समय गंगा में बहे दिल्ली के दो युवक

ऋषिकेश। सिंगटाली झूला पुल के समीप गंगा नदी में स्नान के दौरान दिल्ली के दो युवक बह गए। एसडीआरएफ की ओर से युवकों की खोजबीन के लिए गंगा में सर्च अभियान चलाया गया। एसडीआरएफ प्रभारी कविंद्र सजवाण ने बताया कि जिला कंट्रोल रूम पौड़ी से सूचना मिली कि सिंगटाली झूला पुल के समीप गंगा नदी में स्नान के दौरान दो युवक तेज बहाव में बह गए।

सूचना के बाद एसडीआरएफ ढालवाला और ब्यासी की टीमें आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। बताया कि दिल्ली से आए छह युवकों का एक समूह सिंगटाली पुल के समीप गंगा नदी में स्नान कर रहा था। स्नान के दौरान दो युवक नदी के बीच गहरे पानी में चले गए। तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए।

वाहन अनियंत्रित होकर अलकनंदा में समाया

कर्णप्रयाग। बदरीनाथ हाईवे पर शनिवार दोपहर एक वाहन अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में समा गया। डीडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खोज अभियान चलाया लेकिन वाहन का पता नही चल सका।

जानकारी के अनुसार घटना शनिवार को अपराह्न करीब तीन बजे खड़ीखाड़ के समीप और जलेश्वर महादेव मंदिर के ठीक सामने हुई। हाईवे से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। थानाध्यक्ष विनोद थपलियाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। डीडीआरएफ और एसडीआरएफ ने खाई में उतरकर तलाशी अभियान चलाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने इसे डंपर बताया। वाहन के अनियंत्रित होने से ऋश बैरियर और पेयजल लाइन टूट गई।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

सीरीज बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा भारत, दूसरे टी20 में बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के सामने अब सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती है। रविवार को बेलफास्ट में खेले जाने वाले दूसरे और अंतिम मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम जीत दर्ज कर श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहले मैच में आयरलैंड ने 34 रन से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया था। यह किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ उसकी पहली जीत रही। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विश्व चैंपियन भारतीय टीम 148 रन पर सिमट गई और उसके शीर्ष क्रम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा।

श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला कई मायनों में खास था। लगभग 963 दिनों बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और पहली बार इस प्रारूप में भारत की कप्तानी संभाली, लेकिन शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। अब उनकी कोशिश होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले टीम जीत के साथ आत्मविश्वास हासिल करे।

भारतीय बल्लेबाजी पहले मुकाबले में पूरी तरह बिखर गई। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। जैसे ही अभिषेक आउट हुए, भारतीय पारी लड़खड़ा गई। संजू सैमसन केवल चार गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए, जबकि ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। बाद में तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे भी बढ़ते रनगति के दबाव में टीम को संभाल नहीं सके।

आयरलैंड के युवा तेज गेंदबाजों ने शानदार अनुशासन के साथ गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे जय मूंद्रा ने अपनी पहली ही गेंद पर संजू सैमसन का विकेट लेकर भारतीय खेमे को झटका दिया। वहीं मैट हॉलार्ड ने ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। दूसरे मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाजों के सामने आयरलैंड की तेज गेंदबाजी सबसे बड़ी चुनौती रहने वाली है।

हालांकि गेंदबाजी विभाग में भारत को कुछ सकारात्मक संकेत भी मिले। चोट से वापसी कर रहे हर्षित राणा ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके और प्रभावित किया। अर्शदीप सिंह तथा अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवर में 57 रन खर्च करना भारत के लिए महंगा साबित हुआ। कृष्णा का 17वां ओवर, जिसमें 27 रन बने, मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पहले मुकाबले की ऐतिहासिक जीत के बाद आयरलैंड का मनोबल काफी ऊंचा है। दूसरी ओर भारतीय टीम न केवल श्रृंखला बराबर करना चाहेगी, बल्कि इंग्लैंड दौरे से पहले अपनी तैयारियों को भी सही दिशा देना चाहेगी। ऐसे में बेलफास्ट का दूसरा मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऐसा है भारत और आयरलैंड का स्क्वॉड

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सुर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

आयरलैंड: लोर्कान टकर (कप्तान और विकेटकीपर), रॉस एडेयर, बेन कैलिट्ज, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, मैथ्यू हंपहरेज, गेविन होई, मैथ्यू हॉलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मूंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, रूबेन विल्सन।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड

-3 साल बाद वापसी भी नहीं बदल सकी किस्मत

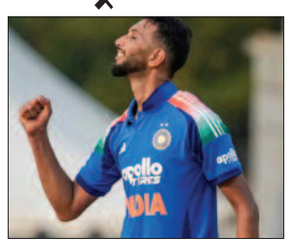

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगभग तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह वापसी किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वह बेहद महंगे साबित हुए और अपने नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा बैठे, जो अब तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं बना पाया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 जून को आयरलैंड के खिलाफ चार ओवर में 57 रन खर्च किए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था, जहां उनके चार ओवर में 68 रन बने थे। इस तरह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने कुल 125 रन लुटा दिए, जो इस प्रारूप में किसी भी गेंदबाज द्वारा लगातार दो मुकाबलों में खर्च किए गए सबसे अधिक रन हैं।

बेलफास्ट में कृष्णा की गेंदबाजी शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन्हें 17वां ओवर सौंपा, लेकिन यह फैसला भारत पर भारी पड़ गया। उस ओवर में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने 27 रन बटोर लिए। यह ओवर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आयरलैंड के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया है। आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी लेंथ और लाइन पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनकी गेंदों का आयरिश बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बना दिया।

मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत पर आयरलैंड की पहली जीत भी रही। अब दूसरे मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन की नजरें गेंदबाजी संयोजन पर रहेंगी और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

कप्तान श्रेयस अय्यर बोले- अब कोई भी मुकाबला हल्के में नहीं लेंगे

-हार से सबक लेकर वापसी को तैयार टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यह परिणाम निराशाजनक जरूर है, लेकिन इससे टीम को महत्वपूर्ण सीख भी मिली है। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाले अय्यर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अब इस अनुभव से सबक लेकर अगले मुकाबले में पूरी तैयारी और नए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेने की गलती दोबारा नहीं करेगी। बेलफास्ट में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया।

डेम्बेले की तूफानी हैट्रिक से फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

-ग्रुप में शीर्ष स्थान के साथ बढ़ाया जीत का सिलसिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फॉक्सबोरो में खेले गए फीफा विश्व कप के ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 4-1 से शिकस्त दी। इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले रहे, जिन्होंने पहले हाफ में ही हैट्रिक लगाकर मैच का रुख पूरी तरह फ्रांस के पक्ष में मोड़ दिया। उनकी दमदार पारी की बदौलत फ्रांस ने ग्रुप चरण का समापन शीर्ष स्थान पर किया और नॉकआउट दौर में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया। डेम्बेले ने मुकाबले के सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल में कप्तान काइलियन एमबाप्पे ने बेहतरीन पास देकर अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के इतिहास

में पिछले 32 वर्षों के दौरान पहली बार किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले 1994 विश्व कप में रूस के ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में तीन गोल किए थे। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ डेम्बेले गोल्डन बूट की दौड़ में भी मजबूती से शामिल हो गए हैं, जहां उनका मुकाबला लियोनेल मेसी और टीम के साथी काइलियन एमबाप्पे जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से है। मैच के बाद डेम्बेले ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण टीम की जीत और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा कि अब पूरी टीम का ध्यान अगले मुकाबले पर है और उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में जीत का सिलसिला बनाए रखना है।

फ्रांस और नॉर्वे दोनों पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे, लेकिन इस मुकाबले से ग्रुप विजेता का फैसला होना था। फ्रांस ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और नॉर्वे को संभलने का मौका नहीं दिया। डेम्बेले के दूसरे गोल के तुरंत बाद थैलो आसगार्ड ने केवल 14 सेकंड के भीतर गोल कर नॉर्वे की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन डेम्बेले ने कुछ ही मिनट बाद अपना तीसरा गोल कर फ्रांस की दो गोल की बढ़त फिर से बहाल कर दी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में डेसिरे डोउ ने चौथा गोल दागकर फ्रांस की जीत को और शानदार बना दिया। डेम्बेले ने 65वें मिनट तक मैदान पर रहते हुए चार गोल वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम और मजबूत किया। इसके बाद उनकी जगह ब्रैडली बारकोला को मैदान पर उतारा गया।

स्पेन की जीत से उरुग्वे का टूटा विश्व कप सपना, ग्रुप चरण से ही बाहर हुई दो बार की चैंपियन टीम

नई दिल्ली। विश्व कप फुटबॉल में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मैक्सिको के गुआडालाजारा में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने अवसर का पूरा फायदा उठाया, जबकि दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस हार के साथ दक्षिण अमेरिकी टीम का अभियान निराशाजनक अंदाज में समाप्त हो गया। ग्रुप एच में स्पेन ने सात अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अब अगले दौर में उसका मुकाबला ग्रुप जे में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम, ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया, से होगा। दूसरी ओर उरुग्वे पूरे ग्रुप चरण में जीत का स्वाद नहीं चख सका और केवल दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अंक तालिका में पिछड़ने के कारण वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में भी जगह नहीं बना पाया और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। फीफा रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद उरुग्वे इस विश्व कप से बाहर होने वाली अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बन गई। मुकाबले का एकमात्र गोल स्पेन के एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में किया। उन्होंने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शॉट लगाया, जिसे अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा रोकने में असफल रहे। यह ऐसा मौका था, जिसे सामान्य परिस्थितियों में बचाया जा सकता था। टूर्नामेंट के दौरान मुसलेरा की यह लगातार तीसरी बड़ी गलती रही। उनके निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने हाफ टाइम के बाद उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया। ग्रुप एच से स्पेन के अलावा केप वर्दे ने भी अंतिम-16 में जगह बनाई। केप वर्दे ने सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित मुकाबला खेलते हुए लगातार तीसरा ड्रॉ दर्ज किया और तीन अंकों के साथ अगले दौर में पहुंच गया।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज : कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है। कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरुआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नॉर्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी-20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट-क्लास, 24 लिस्ट-ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी-20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी ऑलराउंड क्षमता साबित की है।

भारत / पाकिस्तान: भारत ने पाकिस्तान पर बरसाए 7 गोल, FIH प्रो लीग में दर्ज की एकतरफा जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। FIH प्रो लीग 2025-26 में भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदते हुए लगातार दूसरी बार हराया। शुरुआती झटके के बावजूद टीम इंडिया ने शानदार वापसी की और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। यह प्रो लीग में भारत की लगातार चौथी जीत रही, जबकि पाकिस्तान की टीम अब तक अपने सभी 15 मुकाबले हार चुकी है।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने पलट दिया मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम कोई भी मौका भुना नहीं सकी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपना पहला ही पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया। 13वें मिनट में अबू महमूद ने गोल कर पाकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का

गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मचाया गोलों का तूफान

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। 32वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में जुगराज सिंह और 41वें मिनट में अभिषेक ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया।पाकिस्तान संभल भी नहीं पाया था कि 44वें मिनट में राज कुमार पाल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।

दिलप्रीत ने लगाया आखिरी गोल, भारत ने 7-1 से दर्ज की धमाकेदार जीत

मैच के अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा कायम रहा। 53वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने शानदार फिनिश करते हुए भारत का सातवां गोल दागा। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 7-1 की बड़ी जीत दर्ज कर पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।

पाकिस्तान पर भारत का लगातार दबदबा कायम

भारतीय हॉकी टीम पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान पर पूरी तरह हावी रही है। साल 2016 के बाद से भारत सीनियर और जूनियर स्तर पर पाकिस्तान से कोई मुकाबला नहीं हारा है। हाल ही में जापान में खेले गए अंडर-18 एशिया कप में भी भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा था। अब एफआईएच प्रो लीग में भी टीम इंडिया ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी।

हार के बीच भी अभिषेक शर्मा ने रचा विश्व रिकॉर्ड : टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया, जो अब तक टी20 क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी नहीं बना सका था। बेलफास्ट में खेली गई उनकी तूफानी पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इतिहास रच दिया और फुल मेंबर देशों की ओर से खेलते हुए टी20 क्रिकेट में 20 या उससे कम गेंदों में पांच बार अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने इस उपलब्धि के साथ कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले युवराज सिंह, डेविड वॉर्नर, फिल साल्ट, कॉलिन मुनरो, दासुन शनाका और फिन एलन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में केवल तीन-तीन बार ही 20 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक लगाने का कारनामा कर पाए थे। अभिषेक ने पांचवीं बार यह उपलब्धि हासिल कर इस सूची में सबसे ऊपर अपना नाम दर्ज करा लिया।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक शुरू से ही आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों पर बेखौफ होकर प्रहार किए और केवल 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पारी के आठवें ओवर में डीप मिडविकेट की दिशा में शानदार पुल शॉट लगाकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में मौजूद खिलाड़ियों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस पारी के साथ अभिषेक आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इस सूची में शीर्ष स्थान स्टीफन मायबर्ग के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने 2023 में 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब अभिषेक शर्मा 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि शानदार शुरुआत के बावजूद अभिषेक अपनी पारी को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। अर्धशतक पूरा करने के तीन गेंद बाद ही वह 20 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी में सात चौके और दो लंबे छक्के शामिल रहे। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियाम मैक्कार्थी ने उन्हें डीप मिडविकेट पर कैच कराकर अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज अभिषेक का साथ नहीं दे सके और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। परिणामस्वरूप 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 148 रन पर सिमट गई और आयरलैंड ने पहली बार भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। हालांकि टीम को हार मिली, लेकिन अभिषेक शर्मा की रिकॉर्डतोड़ पारी भारतीय क्रिकेट के लिए इस मुकाबले की सबसे बड़ी सकारात्मक उपलब्धि बनकर उभरी।

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन। विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरु कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नॉटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नॉकआउट चरण भी शामिल है।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर अश्विन की दोटूक राय, बोले- हाइप नहीं, प्रदर्शन के दम पर मिले टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किए जाने पर लगातार बहस जारी है। क्रिकेट प्रशंसकों और कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस फैसले पर अलग-अलग राय दी है। इसी बीच भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस पूरे मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टीम प्रबंधन ने परिस्थितियों के अनुसार सही फैसला लिया है और किसी खिलाड़ी को केवल लोकप्रियता या चर्चा के आधार पर टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। अपने यूट्यूब कार्यक्रम में अश्विन ने कहा कि भारतीय टीम किसी एक खिलाड़ी को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जाती, बल्कि टीम के संतुलन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि टीम में सुपरस्टार संस्कृति के बजाय टीम फर्स्ट का सिद्धांत अपनाया जाएगा।

अश्विन का मानना है कि मौजूदा समय में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने हाल के समय में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में केवल वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए किसी खिलाड़ी को बाहर करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में स्थान हमेशा योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर मिलना चाहिए, न कि सोशल मीडिया पर बने माहौल या किसी खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बनी चर्चा के कारण। पूर्व ऑफ स्पिनर ने यह भी कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में रहना, वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ समय बिताना और टीम के माहौल को समझना भी सीखने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। उनके अनुसार बाहर बैठकर मैच देखना, टीम की सहायता करना और अनुभव हासिल करना किसी भी युवा क्रिकेटर के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है।

अश्विन ने माना कि वैभव सूर्यवंशी में असाधारण प्रतिभा है और भविष्य में वह भारतीय क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल टीम में ओपनिंग स्लॉट खाली नहीं है। उनके अनुसार वैभव को मौका तभी मिलेगा जब किसी मौजूदा सलामी बल्लेबाज का प्रदर्शन लगातार खराब हो या कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए। उन्होंने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय पदार्पण केवल इसलिए नहीं कराया जा सकता कि लोग

उसे खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने अंत में विश्वास जताया कि वैभव सूर्यवंशी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। यदि वह लगातार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से दावेदारी मजबूत करते रहेंगे तो भारतीय टीम में उनकी जगह स्वतः बन जाएगी। फिलहाल उनके लिए धैर्य बनाए रखना और सीखते हुए सही अवसर का इंतजार करना ही सबसे बेहतर रास्ता है।